■ वैशाख कृष्ण - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 264 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 24-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एयरो-इंजन विकास सरकार की प्राथमिकता वाला क्षेत्र : राजनाथ सिंह

6 सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

7 पहलगाम आतंकी हमले पर फूटा सलमान खान का गुस्सा

फर्स्ट टेक

संभल में सड़क पर अतिक्रमण कर बनाए गए धार्मिक ढांचों पर होगी कार्रवाई

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में स्थानीय प्रशासन लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़क पर अतिक्रमण कर बनाए गए धार्मिक ढांचों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिसमें एक मस्जिद और एक मंदिर का एक हिस्सा शामिल है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, संभल-बहजोई मार्ग पर हयातनगर थाना क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की सड़क पर अतिक्रमण कर मस्जिद का निर्माण किया गया था और इसी सड़क के दूसरी तरफ एक मंदिर का एक हिस्सा बना हुआ है। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) वंदना मिश्रा ने कहा कि हाल ही में किए गए भूमि सर्वेक्षण में सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण का पता चला है।

इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटकों से हिली इमारतें

इस्तांबुल/एपी। तुर्किये की आपदा एवं आपात प्रबंधन एजेंसी ने बुधवार को बताया कि इस्तांबुल और अन्य इलाकों में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। एजेंसी के मुताबिक, 1.60 करोड़ की आबादी वाले इस्तांबुल में गंभीर क्षति या किसी के घायल होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। 'यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे' के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.2 थी और इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र इस्तांबुल से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मरमारा सागर में था। एजेंसी के मुताबिक, भूकंप के झटके पड़ोसी प्रांत टेकिरदाग, यालोवा, बुर्सा व बालिकेसिर और इस्तांबुल से लगभग 550 किलोमीटर दक्षिण में इजमिर शहर में महसूस किये गये।

ईडी ने सहारा मामले में 1,500 करोड़ से अधिक की नई संपत्तियां कुर्क कीं

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल (भाषा) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने सहारा समूह के खिलाफ कथित धन शोधन जांच के तहत 1,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नई संपत्तियां कुर्क की हैं। संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सहारा प्राइम सिटी लिमिटेड की 16 शहरों में कुल 1,023 एकड़ भूमि कुर्क करने के लिए एक अतंरिम आदेश जारी किया था। इन भूखंडों का कुल मूल्य 1,538 करोड़ रुपये (2016 सर्किल रेट के अनुसार) है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इन भूखंडों को 'बेनामी' लेन-देन के माध्यम से खरीदा गया था, जिसमें सहारा की कंपनियों से धन भेजा गया था।

24-04-2025 सूर्यास्त 6:22 बजे | 25-04-2025 सूर्योदय 6:50 बजे

BSE	NSE
80,116.49 (+520.90)	24,282.35 (+115.10)

सोना	चांदी
101,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आतंक ऑल आउट

सेना देगी अब आउटपुट,
जितना पब्लिक देगी इनपुट।
आतंकी हैं मच्छर जैसे,
कर दो इनको अब ऑल आउट।
कुछ भी ना वे कर पाएंगे,
चाहे जितना कर लें साउट।
पर जन्मे जिस नापाक जगह,
कब होगी स्वच्छ यही डाउट।

पहलगाम आतंकवादी हमले के संदिग्धों के स्केच जारी

आतंकवादियों को पाकिस्तान में प्रशिक्षण मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर, 23 अप्रैल (भाषा) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की शुरुआती जांच से संकेत मिला है कि घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की संख्या पांच से सात के बीच हो सकती है, जिन्हें पाकिस्तान में प्रशिक्षित कम से कम दो स्थानीय आतंकवादियों से मदद मिली थी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि हमले में बिजबेहरा निवासी आदिल थोकर उर्फ आदिल गुरी की भूमिका सामने आई है, जिसकी पहचान इसमें मारे गए एक पर्यटक की पत्नी ने की।

अधिकारियों का मानना है कि आदिल 2018 में पाकिस्तान चला गया था, जहां उसने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से हथियारों का प्रशिक्षण हासिल किया और फिर हमलों को अंजाम देने के लिए भारत लौट आया।

अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच से पता चला है कि मंगलवार को बैसरन में चार आतंकवादियों ने पर्यटकों को कतारों में खड़ा कर उन पर नजदीक से गोलियां चलाईं, जबकि कम से कम एक से तीन आतंकवादियों को रणनीतिक रूप से यह देखने के लिए तैनात किया गया था कि सुरक्षाबल तो नहीं आ रहे।

अधिकारियों ने चश्मदीदों के हवाले से बताया कि आतंकवादियों ने अपने बर्बर कृत्य को रिकॉर्ड करने के लिए बॉडी कैमरा पहन रखे थे। उन्होंने बताया कि चश्मदीदों को कम से कम छह से सात तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें से एक में मौजूद आदिल की पहचान उस आतंकवादी के रूप में की गई, जो गोली चला रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, हमले के बाद आतंकवादी पीर पंजाल क्षेत्र के देवदार के घने जंगलों की ओर भाग गए। उन्होंने बताया कि हमले के सिलसिले में कई लोगों से पूछताछ की गई है और आतंकवादियों को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने तीन लोगों के स्केच भी जारी किए हैं, जिनके इस आतंकवादी हमले में शामिल होने का संदेह है। उन्होंने बताया कि ये तीनों लोग पाकिस्तानी हैं और इनका नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तलहा है।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, 23 अप्रैल (भाषा) जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घुसपैठ की यह कोशिश मंगलवार को दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के 24 घंटे से भी कम समय में की गई है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए हैं जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। सेना ने कहा कि उत्तर कश्मीर जिले के उरी नाला में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। सेना ने एक बयान में कहा, ''लगभग एक बजे, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सतर्क सैनिकों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने का प्रयास कर

'पाकिस्तान किसी भी आक्रमण के लिए तैयार'

लाहौर, 23 अप्रैल (भाषा) पाकिस्तान की पंजाब सरकार में एक मंत्री ने बुधवार को कहा कि उनका देश भारत की ओर से 'किसी भी संभावित आक्रमण के लिए पूरी तरह से तैयार है'। मंत्री के इस बयान से संकेत मिलता है कि भारत पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई कर सकता है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है। पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने एक वीडियो क्लिप में कहा, इस फर्जी नाटक के बहाने अगर भारत किसी भी तरह का दुस्साहस करता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

हम जरूरत के समय भारत के साथ खड़े हैं : इजराइल

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल (भाषा) इजराइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने बुधवार को कहा कि इजराइल भारत का 'मित्र' है और जरूरत के समय दोस्त एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं। मार्मोरस्टीन की यह टिप्पणी पत्रकारों के साथ डिजीटल माध्यम से बातचीत के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में आई है। हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा, इजराइल भारत का मित्र है। इसमें कोई दो राय नहीं है। जरूरत के समय दोस्त एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं। और, हम भारत के साथ खड़े हैं। हमले के कुछ घंटों बाद ही इजराइल की ओर से भारत के साथ एकजुटता का संदेश भी आया था। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सा'र ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की थी। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले से बहुत दुख हुआ है। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर

भारत सरकार ने पाकिस्तान से राजनयिक रिश्तों में कटौती की

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने इस जघन्य हमले की निंदा की और पाकिस्तान को लेकर पांच सूत्री कदमों का निर्णय लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल (भाषा) सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने इस जघन्य हमले की निंदा की और पाकिस्तान को लेकर पांच सूत्री कदमों का निर्णय लिया।

सीसीएस ने स्पष्ट किया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। इसके साथ ही सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है।

दक्षिणी कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

सीसीएस की बैठक के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संवादाताओं को फैसलों से अवगत कराया। उन्होंने कहा, सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मिस्री के अनुसार, दुनिया भर की कई सरकारों ने अपना समर्थन और एकजुटता दिखाई है और उन्होंने स्पष्ट रूप से इस आतंकवादी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा, सीसीएस ने ऐसी भावनाओं की सराहना की, जो आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता को दर्शाती है।

■ 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी

■ अटारी एकीकृत जांच चौकी को भी तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला

■ पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया

■ भारत इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा।

■ पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीज़ा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

■ पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा।

■ भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय

विदेश सचिव ने बताया कि सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों को सामने लाया गया। उन्होंने कहा कि इस बात को रेखांकित किया गया कि यह हमला जम्मू-कश्मीर में चुनावों के सफल आयोजन और आर्थिक वृद्धि तथा विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ।

उन्होंने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमापार आतंकवाद को अपना समर्थन बंद नहीं कर देता।

रोहित शर्मा की शानदार पारी से

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद, 23 अप्रैल (भाषा) रोहित शर्मा (70) के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से मुंबई इंडियंस ने बुधवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया ।

मुंबई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है जिसके बाद टीम अंकतालिका में छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है । सनराइजर्स हैदराबाद के आठ विकेट पर 143 रन के जवाब में मुंबई ने 15 . 4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाये । रोहित ने 46 गेंद में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 70 रन की पारी खेली । सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंद में नाबाद 40 रन बनाये जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे ।

रोहित ने तीसरे ओवर में पैट कमिंस की आफ कटर पर डीप स्कवेयर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिये थे । इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में खेल रहे रोहित ने हालात को बखूबी पढा और उसके अनुसार खेला । उन्होंने जयदेव उनादकट को कवर के ऊपर दूसरा छक्का लगाया ।

इससे पहले हेनरिक क्लासेन के 44 गेंद में 71 और अभिनव मनोहर के 43 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरूआत से उबरते हुए आठ विकेट पर 143 रन बनाये । सनराइजर्स की शुरूआत बहुत खराब रही और उसके पांच विकेट सिर्फ 35 रन पर गिर गए थे । इसके बाद क्लासेन ने पारी को संभाला । दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज ने 44 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये । उन्होंने इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट अभिनव के साथ 99 रन की साझेदारी की । अभिनव ने 37 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों के साथ 43 रन बनाये ।

अंकतालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर काबिज सनराइजर्स का शीर्षक्रम सपाट और कठोर विकेट पर टिक नहीं सका ।

आतंकवाद, हिंसक चरमपंथ मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरा बने हुए हैं : मोदी, सऊदी क्राउन प्रिंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरा बने हुए हैं और किसी भी आतंकवादी कृत्य को किसी भी आधार पर जायज नहीं ठहराया जा सकता। बुधवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने अन्य देशों के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए मिसाइल और ड्रोन सहित अन्य हथियारों तक पहुंच बाधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकवादी हमले के बाद मोदी ने सऊदी अरब की अपनी दो-दिवसीय यात्रा को बीच में ही समाप्त कर दिया और मंगलवार रात नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। प्रधानमंत्री का पहले बुधवार रात भारत लौटने का कार्यक्रम था।

बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान चली गई। हमले के मद्देनजर दोनों पक्षों ने आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के सभी स्वरूपों की निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि यह मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसी भी आतंकवादी कृत्य को किसी भी आधार पर जायज नहीं ठहराया जा सकता।

बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने आतंकवाद को किसी विशेष जाति, धर्म या संस्कृति से जोड़ने के किसी भी प्रयास को खारिज कर दिया। उन्होंने आतंकवाद और इसके वित्तपोषण के खिलाफ दोनों पक्षों के बीच उत्कृष्ट सहयोग का स्वागत किया।

बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने सीमापार आतंकवाद की निंदा की और सभी देशों से दूसरे देशों के खिलाफ आतंकवाद के इस्तेमाल को अस्वीकार करने, आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने तथा आतंकवादी कृत्यों के गुनाहगारों को जल्द न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।

चीन तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजेगा

बीजिंग/भाषा। चीन बृहस्पतिवार को अपने 10वें अंतरिक्ष दिवस के मौके पर अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजेगा, जो पिछले छह महीने से स्टेशन पर तैनात अपने सहयोगियों की जगह लेंगे। यह घोषणा बुधवार को की गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि सीएमएसए के प्रवक्ता लिन जिकियांग ने संवाददाताओं को बताया कि चालक दल के साथ शेनझोउ-20 अंतरिक्ष मिशन को बृहस्पतिवार को बीजिंग के समयानुसार शाम 5:17 बजे इस केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

'विकसित भारत' की आधारशिला एक राष्ट्र, एक चुनाव : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव 'विकसित भारत' की आधारशिला है और यह एक मजबूत व स्थिर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण कारक साबित होगा।

प्रधान 'स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन, वन इलेक्शन' नाम के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें देश भर के छात्र नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव 'विकसित भारत' की

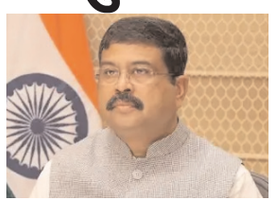

आधारशिला है, जो एक मजबूत और स्थिर भारत की दिशा में निर्णायक साबित होगा।

प्रधान ने कहा, यह विषय अब कानूनी और राजनीतिक चर्चाओं से आगे बढ़कर देश के मुख्य एजेंडे का हिस्सा बन गया है। किसी भी बड़े राष्ट्रीय निर्णय को अंजाम तक ले जाने के लिए नीति, योजना, रणनीति और सबसे महत्वपूर्ण जनभागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह केवल चुनाव खर्च और आचार संहिता तक सीमित विषय नहीं बल्कि यह देश की राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और विकास को नई दिशा देने का माध्यम है।

प्रधान ने आरोप लगाया कि विपक्ष के 'नकारात्मक रवैये' जनादेश का अपमान होता है।

गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए 'एचपीवी डायग्नोस्टिक किट' तैयार : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को कहा कि गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए स्वदेशी रूप से विकसित 'एचपीवी डायग्नोस्टिक किट' तैयार है और यह भारतीय महिलाओं में दूसरे सबसे आम कैंसर की जांच के लिए किफायती तरीका साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) परीक्षण किट के सत्यापन के निष्कर्षों को साझा करने के लिए आयोजित एक बैठक में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए व्यापक जांच कार्यक्रम शुरू करने को लेकर निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी का आह्वान किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर से पीड़ित हर पांच में से एक महिला भारतीय है। बीमारी का देर से पता लगने से बचने की संभावना कम हो जाती है। गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर के कारण होने वाली वैश्विक मृत्यु दर में से 25 प्रतिशत भारत में होती है। सिंह ने कहा, ''गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर के 90 प्रतिशत से अधिक मामले एचपीवी से जुड़े हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत मामले युवतियों को प्रभावित करते हैं। किफायती टीके, जांच और देखभाल सुनिश्चित करना हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।''

समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा, ''इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य किफायती, सुलभ जांच और यदि संभव हो तो बड़े पैमाने पर जांच करना है, जो तभी संभव है जब बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्र की भागीदारी हो।'' एचपीवी परीक्षण किट जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-नई दिल्ली, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) साथ ही उद्योग के भागीदारों द्वारा विकसित की गई है।

शुरू में, समीक्षा बैठक के प्रतिभागियों ने मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा।

पहलगाम हमला: महबूबा मुफ्ती ने देशवासियों से माफी मांगी, आतंकवादी हमले के खिलाफ मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर बुधवार को देशवासियों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोग इस घटना से व्यथित हैं और दुख की इस घड़ी में उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर बैसरन पर्यटन स्थल पर पर्यटकों को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। यह हमला पिछले कई वर्षों में कश्मीर में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक था। महबूबा के नेतृत्व में पीडीपी नेता एवं कार्यकर्ता श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर पार्क के पास पार्टी मुख्यालय में एकत्र हुए और वहां से विरोध मार्च की शुरुआत की।

मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां थान रखी थीं, जिन पर लिखा था-यह हम सभी पर हमला है, निर्दोषों की हत्या आतंकवादी कृत्य है और निर्दोषों की हत्या बंद करो। यह मार्च श्रीनगर के प्रसिद्ध लाल चौक पर समाप्त हुआ।

प्रदर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में महबूबा ने कहा, यह हमला सिर्फ मासूम पर्यटकों पर नहीं, बल्कि कश्मीरियत पर भी था। उन्होंने कहा, मैं देशवासियों से कहना चाहती हूं कि हम शर्मिंदा हैं। कश्मीरियों का दिल दुखी है और हम दुख की इस घड़ी में आपके साथ खड़े हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए।

पीडीपी प्रमुख ने कहा, यह हम पर हमला था, हम इसकी निंदा करते हैं और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गृह मंत्री यहां हैं और उन्हें इस हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाना चाहिए, ताकि उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके।

महबूबा ने कहा कि पर्यटक कश्मीर में अच्छा समय बिताने आते हैं और उन पर हमला सबसे कायराना कृत्य है। उन्होंने कहा, मैं देश के लोगों से कहना चाहती हूं कि हम शर्मिंदा हैं, कश्मीरी शर्मिंदा हैं। दुख की इस घड़ी में हम आपके साथ खड़े हैं। हम चाहते हैं कि सरकार दोषियों को पकड़े, ताकि उन्हें कड़ी सजा मिले।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह हमला सुरक्षा चूक का नतीजा था, पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा दिल दुखी है, लोगों का दिल टूट गया है। पूरा जम्मू-कश्मीर और देश शोक में है। मैं अपने देश के लोगों से माफी मांगना चाहती हूं।

पहलगाम हमला: जम्मू में पाक-विरोधी प्रदर्शन किये गये, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के अगले दिन बुधवार को जम्मू क्षेत्र में मुख्यधारा के राजनीतिक दलों, सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक संगठनों ने बड़े पैमाने पर पाकिस्तान-विरोधी प्रदर्शन किए। इस हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए हैं, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के पुतले फूंके और नारे लगाते हुए पड़ोसी देश, आतंकवादियों और जम्मू-कश्मीर में उनके समर्थकों को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की।

आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर अनंतनाग जिले में पहलगाम के पास एक रमणीय स्थल पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए। इसे 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। इस हमले के विरोध में यहां मार्च निकालने की अनुमति मांगते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हो गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक युद्धवीर सेठी के नेतृत्व में इस पार्टी, विश्व हिंदू परिषद (विहिप), बजरंग दल और अन्य सामाजिक संगठनों ने यहां सतवारी क्षेत्र में एक संयुक्त विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान, उसके सेना प्रमुख, आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थन ढांचे के खिलाफ नारे लगाते हुए पड़ोसी देश और जम्मू-कश्मीर में उसके आतंकवादी नेटवर्क को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान का झंडा भी जलाया। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मंत्री प्रिया सेठी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम चाहते हैं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों और उनके स्थानीय सहयोगी ढांचे पर कड़ी कार्रवाई करें। पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाना चाहिए।''

जम्मू-कश्मीर के पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने शहर में एक अन्य विरोध मार्च का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, ''हम अपने भाइयों की हत्या का बदला लेंगे। चाहे कुछ भी हो जाए, आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थकों का जल्द ही सफाया कर दिया जाएगा।'' कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने यहां पार्टी कार्यालय से रैली निकाली, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके परिणामस्वरूप थोड़ी झड़प हुई। पूर्व मंत्री योगेश साहनी के नेतृत्व में मार्च में शामिल लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ नारे लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और देश की जनता उन लोगों के साथ खड़ी है, जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया है। साहनी ने कहा, ''सरकार को हमले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए।'' जम्मू वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (जेसीसीआई), 'जम्मू बार एसोसिएशन (जेबीए)', 'ऑल जम्मू एंड कश्मीर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन' और 'जम्मू ट्रेडर्स एसोसिएशन' ने भी पाकिस्तान के खिलाफ अलग-अलग विरोध मार्च निकाले। शिवसेना डोगरा फ्रंट, राष्ट्रीय बजरंग दल और अन्य संगठनों ने टायर और पाकिस्तान के झंडे जलाए।

OLA

ओला समूह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में आगे, यूनिकॉर्न को मिले पेटेंट में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी

नई दिल्ली/भाषा। यात्रा सेवा, इलेक्ट्रिक वाहन और कृत्रिम मेधा (एआई) सहित विभिन्न व्यवसायों में शामिल ओला समूह के पास भारत के 117 यूनिकॉर्न को मिले कुल पेटेंट का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। भारतीय पेटेंट एडवांस्ड सर्च (आईपीएएस) सिस्टम के आंकड़ों के अनुसार भारत के यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) के पास कुल मिलाकर 229 पेटेंट हैं, जिनमें से आधे से अधिक ओला समूह के पास हैं। ओला के संस्थापक भविष अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''खुशी है कि ओला समूह, ओला इलेक्ट्रिक, ओला कैब्स और क्रुट्रिम के पास सभी भारतीय यूनिकॉर्न को मिले पेटेंट का आधा हिस्सा है।'' उन्होंने इस दिशा में अधिक तेजी से काम करने की बात भी कही।

सरकार वोडाफोन आइडिया में हिस्सेदारी 49 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ाएगी: सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार की वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि दूरसंचार कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) में बदल जाए।

सिंधिया ने वोडाफोन आइडिया को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अब उसे अच्छा प्रदर्शन सुनिश्चित करना होगा। हाल में स्पेक्ट्रम नीलामी के बकाया 36,950 करोड़ रुपए को इक्विटी में बदलने के बाद अब सरकार के पास वीआईएल में 48.99 फीसदी हिस्सेदारी हो गई है। इससे पहले यह आंकड़ा करीब 22.6 फीसदी था। गौरतलब है कि कंपनी में अगर आगे सरकार की हिस्सेदारी बढ़ी तो यह पीएसयू में बदल जाएगी और कंपनी कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) तथा दूसरे निरीक्षण निकायों के दायरे में आ जाएगी।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, ''अब यह सुनिश्चित करना उनका (वीआईएल) काम है कि वे अच्छा प्रदर्शन करें। आज सरकार के पास कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सा है। सरकार का इसे पीएसयू बनाने का कोई इरादा नहीं है। इसलिए हम 49 प्रतिशत पर ही टिके रहेंगे।''

न्यायालय ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की, न्यायाधीशों और वकीलों ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किये गए जघन्य आतंकवादी हमले पर बुधवार को दुख व्यक्त किया और इसकी कड़ी निंदा की।

शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों और वकीलों ने एक मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

शीर्ष अदालत ने एक बयान में कहा कि बुधवार सुबह आयोजित पूर्ण न्यायालय की बैठक में न्यायालय ने सर्वसम्मति से आतंकवादी कृत्य की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

बयान में कहा गया है, ''हिंसा के इस शैतानी कृत्य ने सभी की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और यह आतंकवाद से फैलने वाली क्रूरता और अमानवीयता की स्पष्ट याद दिलाता है।''

शीर्ष अदालत के प्रस्ताव में कहा गया, ''भारत का उच्चतम न्यायालय उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देता है, जिनकी आकस्मिक मौत हुई, साथ ही शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना भी व्यक्त करता है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और जो लोग घायल हुए हैं, वे जल्द ही स्वस्थ हों। इस दुख की घड़ी में राष्ट्र पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है।''

बयान में कहा गया है कि भारत के ''मुकुट'' कश्मीर की प्राकृतिक सुन्दरता का आनंद लेने गए पर्यटकों पर हमला निस्संदेह मानवता के मूल्यों का अपमान है और न्यायालय इसकी कड़ी निंदा करता है।

पहलगाम आतंकी हमला

रिश्तेदार बोले, ''गोली मारने से पहले एलआईसी अधिकारी को कलमा पढ़ने कहा गया था''

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मरने वाले पर्यटकों में शामिल सुशील नथानियल (58) के स्थानीय रिश्तेदारों ने इस घटना को लेकर ग़म और गुस्सा जाहिर करते हुए सरकार से मांग की कि हमलावरों का खात्मा किया जाए। रिश्तेदारों का कहना है कि ईसाई समुदाय के नथानियल को गोली मारकर उनकी जान लेने से पहले आतंकियों ने उन्हें कलमा (वह धार्मिक वाक्य जो इस्लाम के प्रति आस्था का मूल मंत्र है) पढ़ने के लिए बोला था।

अधिकारियों ने बताया कि नथानियल इंदौर से करीब 200 किलोमीटर दूर अलीराजपुर में एलआईसी के प्रबंधक के रूप में पदस्थ थे। नथानियल के ममेरे भाई संजय कुमरावत ने बताया, ''सुशील नथानियल की पत्नी और बेटे से फोन पर हमारी बात हुई है। उन्होंने हमें बताया कि आतंकियों ने नाम पूछकर सुशील को घुटनों के बल बैठने और फिर उनसे कलमा पढ़ने को कहा। जब सुशील ने कहा कि वह कलमा नहीं पढ़ सकते, तो आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी।'' उन्होंने नथानियल के परिजनों से बातचीत के हवाले से कहा कि अपने पिता पर गोलियां बरसते देख उनकी घबराई बेटी आकांक्षा (35) दौड़कर उनके पास पहुंची, तो आतंकियों ने उसे पैर में गोली मार दी।

आतंकवादी हमलों से 'बेहद कठोरता' से निपटने की जरूरत: उद्योग जगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत ने पहलगाम हमले में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि शांति और स्थिरता को खतरा पहुंचाने वाले आतंकवादी हमलों से 'बेहद कठोरता' से निपटना चाहिए।

उद्योग मंडलों और प्रमुख उद्योगपतियों ने बुधवार को नागरिकों तथा सरकार के साथ एकजुटता व्यक्त की और कहा कि राष्ट्र ऐसे संकटों से निपटने के लिए बहुत मजबूत है। इससे आजीविका और आर्थिक गतिविधियों में बाधा नहीं आएगी। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। उद्योग मंडल सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा कि निर्दोष लोगों, मुख्य रूप से पर्यटकों को निशाना बनाकर की गई हिंसा की इस मूर्खतापूर्ण कार्रवाई से न सिर्फ कई जानें गईं, बल्कि क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए भी खतरा पैदा हुआ है। उन्होंने कहा, ''नागरिकों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इस तरह के आतंकवादी हमलों से पूरी गंभीरता के साथ निपटना चाहिए। राष्ट्र ऐसे संकटों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है और इससे आजीविका तथा आर्थिक गतिविधियों में बाधा नहीं आएगी।'' फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा, ''हम इस भयानक हमले से बहुत सदमे में हैं और दुखी हैं, जिसने पूरे भारत में कई परिवारों को अथाह पीड़ा पहुंचाई है।'' उन्होंने कहा, ''इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों तथा उनके प्रियजनों के साथ हैं। राष्ट्रीय त्रासदी की इस घड़ी में पूरा देश केंद्र और राज्य सरकारों और अन्य लोगों के साथ एकजुट है।''

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। उन्होंने कहा, ''हर भारतीय के दिल में गहरा दुख है। भगवान हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मेरी हार्दिक संवेदनाएं सभी मृतकों और घायलों के परिवारों के साथ हैं।'' ओयो के संस्थापक और समूह सीईओ रितेश अग्रवाल ने एक्स पर लिखा, ''पहलगाम में जो कुछ हुआ, उसने हम सभी को झकझोर दिया है।''

अमेरिका का भारत से गैर-शुल्क बाधाएं हटाने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका ने कई बार भारतीय बाजारों में अपनी वस्तुओं के सामने आने वाली कुछ गैर-शुल्क बाधाओं पर चिंता जताई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 22 अप्रैल को जयपुर में भारत से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने और अपने बाजारों में अधिक पहुंच देने का आग्रह किया।

भारतीय उत्पादों को भी अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू), चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन मुद्दों का सामना करना पड़ता है। गैर-शुल्क बाधाएं ऐसे व्यापार प्रतिबंध हैं जिनमें शुल्क (आयात या निर्यात पर कर या शुल्क) शामिल नहीं होते हैं। ये बाधाएं देशों के बीच पार माल की निर्बाध आवाजाही को प्रभावित करती हैं। गैर-शुल्क उपायों (एनटीएम) और कुछ गैर-शुल्क बाधाओं (एनटीबी) के बीच अंतर करना आवश्यक है। अधिकांश एनटीएम मानव, पशु या पौधों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य से देशों द्वारा बनाए गए घरेलू नियम हैं। एनटीएम 'तकनीकी' उपाय हो सकते हैं जैसे विनियमन, मानक, परीक्षण, प्रमाणन, आयात से पहले निरीक्षण या 'गैर-तकनीकी' उपाय जैसे कि कोटा, आयात लाइसेंस, सब्सिडी, सरकारी खरीद प्रतिबंध आदि। जब एनटीएम मनमाने और तर्क से परे हो जाते हैं, तो वे व्यापार के लिए बाधाएं पैदा करते हैं और उन्हें एनटीबी कहा जाता है। इन बाधाओं से व्यापारियों की लागत बढ़ जाती है। उन्हें गंतव्य देश की अनिवार्य प्रमाणन, परीक्षण या लेबलिंग जैसी आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए अधिक खर्च करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, एक भारतीय कृषि उत्पाद निर्यातक को कीटनाशक अवशेषों के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा अनिवार्य प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए भुगतान करना पड़ सकता है। निर्यातकों को कभी-कभी विभिन्न देशों के तकनीकी मानकों या पैकेजिंग नियमों के अनुरूप अपने उत्पादों को पुनः डिजायन करने की आवश्यकता होती है।

इससे माल के आने में भी देरी होती है और अनिश्चितताएं बढ़ती हैं। कागजी कार्रवाई, लाइसेंसिंग नियम या सीमाओं पर निरीक्षण करने की जटिल प्रक्रियाएं व्यापार को धीमा कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ अफ्रीकी देशों के निर्यातकों को सख्त सत्यापन जांच के कारण बंदरगाह पर लंबी देरी का सामना करना पड़ता है।

भारत के कई खाद्य और कृषि उत्पाद, कीटनाशकों के उच्च स्तर, कीटों की मौजूदगी और खुरपका-मुंहपका रोग से संबंधित जांच का सामना करते हैं। इन कारणों से निर्यात खेपों को अस्वीकार कर दिया जाता है और निर्यात से पहले अनिवार्य निरीक्षण किया जाता है।

अमेरिका में विदेश व्यापार बाधाओं पर एक रिपोर्ट में कहा गया कि भारत व्यापार पर तकनीकी बाधाएं (टीबीटी) लगाता है, जैसे अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, तथा उपकरणों के लिए अनिवार्य घरेलू परीक्षण और प्रमाणन आवश्यकताएं। उदाहरण के लिए, भारत डेयरी आयात पर कठोर आवश्यकताएं लागू करता है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य पर लगाई गई बाधाएं विभिन्न सेवाओं को प्रभावित करती हैं।

भारतीय कंपनियां मुख्य कारोबार को बदलने के लिए अपना रहीं एआई: एसएपी

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रचार से हटकर वास्तविक दुनिया के प्रभाव की ओर बढ़ते हुए भारतीय कंपनियां कारोबार संचालन में एआई समाधानों को अपना रही हैं, जिससे 2025 मापनीय एआई परिणामों का वर्ष बन जाएगा। यूरोप की प्रमुख सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी एसएपी ने बुधवार को यह कहा।

मार्च, 2024 से मार्च, 2025 तक की अवधि में भारत में एसएपी ग्राहकों के विश्लेषण के आधार पर, भारत में सबसे लोकप्रिय एआई उपयोग के मामलों में एआई द्वारा संचालित 'विजुअल इनसाइट्स', सारांश और अनुवाद, एआई समर्थित प्रक्रिया विश्लेषण और असंरचित आंकड़ों से बिक्री ऑर्डर तैयार करना शामिल हैं। अन्य उपयोग के मामले जो लोकप्रिय हो गए हैं, वे हैं पूर्वानुमान और प्राकृतिक भाषा से संबंधित सवाल।

भोपाल के पास गेल के संयंत्र से प्राकृतिक गैस का रिसाव, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायसेन/भाषा। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में सरकारी कंपनी गेल गैस लिमिटेड के एक संयंत्र से बुधवार तड़के प्राकृतिक गैस का रिसाव हो गया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर राजधानी भोपाल के पास स्थित संयंत्र की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात रोक दिया गया। प्राकृतिक गैस प्रभावकारी और प्रदूषण रहित होने के कारण औद्योगिक और घरेलू उपयोग के लिए सबसे स्वच्छ आधुनिक ईंधनों में से एक है।

गेल गैस लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि रिसाव के कारण बना वाष्प सुबह करीब साढ़े नौ बजे तक हवा में उड़ गया। बयान में कहा गया कि रिसाव के कारणों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रिसाव को बंद कर दिया गया और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। बयान के मुताबिक, भोपाल से 35 किलोमीटर दूर मंडीदीप औद्योगिक शहर के संयंत्र में देर रात करीब ढाई बजे यह घटना हुई।

अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बताया कि रिसाव के बाद 200 मीटर की परिधि में सभी इकाइयों में उत्पादन तुरंत बंद कर दिया गया। उन्होंने बताया कि बगल की सड़क पर भी यातायात रोक दिया गया है।

श्रीवास्तव ने कहा कि सरकारी अधिकारियों की टीमें गेल संयंत्र में हैं और वे व्यापक सुरक्षा व्यवस्था कर रहे हैं।

मंडीदीप उद्योग संघ के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा कि यह 'लेवल -3' गैस रिसाव था।

पहलगाम हमले पर वाद्रा की टिप्पणी से विवाद, भाजपा ने आतंकवादियों की जुबान बोलने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के दामाद और व्यवसायी रॉबर्ट वाद्रा ने बुधवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि पहलगाम में गैर-मुसलमानों पर हमला किया गया क्योंकि आतंकवादियों को लगता है कि देश में मुसलमानों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर आतंकवादियों की भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए। वाद्रा ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा कि जब भी सांप्रदायिक मुद्दे होते हैं और लोग असुरक्षित महसूस करते हैं तो देश में दरार पड़ती है और पड़ोसी देशों को इसका फायदा मिलता है। उन्होंने कहा कि अब राजनीति और धर्म को अलग करने का समय आ गया है तथा राजनीतिक दलों को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

वाद्रा ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''जब यह आतंकवादी कृत्य हुआ तो वे (आतंकवादी) पहचान पत्र देख रहे थे, जो लोग गैर-मुस्लिम थे उन पर हमला किया गया और प्रधानमंत्री को संदेश दिया गया। ऐसा क्यों हो रहा है? क्योंकि, उन्हें लग रहा है कि हमारे देश में मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है।''

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि ये उनके निजी विचार हैं और वह कांग्रेस पार्टी या अपने परिवार की ओर से नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं देख रहा हूं कि अल्पसंख्यकों को दरकिनार कर दिया गया है। जब वे अपनी प्रार्थना कर रहे होते हैं तो उन्हें अपनी छतों पर ऐसा करने की अनुमति नहीं होती है। यदि वे बृहस्पतिवार या शुक्रवार को बहुतायत में इबादत कर रहे होते हैं तो उन्हें रोक दिया जाता है...मस्जिदों का सर्वेक्षण किया जाता है।'' वाद्रा ने कहा कि जब उन्होंने आखिरी बार अल्पसंख्यकों के लिए बात की थी तो उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने तलब किया था लेकिन जब भी कुछ गलत होगा तो वह अपनी आवाज उठाना जारी रखेंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति वाद्रा ने कहा, ''अगर हम एकजुट नहीं हैं, तो हम असुरक्षित होंगे और कोई भी पड़ोसी देश इसका फायदा उठाएगा।'' भाजपा ने वाद्रा की टिप्पणी की निंदा करते हुए उन पर आतंकवादियों की भाषा बोलने और उनके बर्बर कृत्यों को उचित ठहराने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उसक यह रुख दोहरा मापदंड नहीं है कि वह आतंकवाद के मुद्दे पर सरकार के साथ है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा, ''रॉबर्ट वाद्रा की टिप्पणी पूरी तरह से निंदनीय है।''

अनुदान अनुरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को चेन्नई में वाणिज्यिक कर और पंजीकरण मंत्री श्री पी. मूर्ति ने मुख्य सचिवालय में वर्ष 2025-2026 के लिए वाणिज्यिक कर और पंजीकरण विभाग के अनुदान अनुरोध पर चर्चा से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान वाणिज्यिक कर एवं पंजीयन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव (पूर्ण अतिरिक्त प्रभार) कागारला उषा, पंजीयन विभाग के प्रमुख दिनेश पोनराज ओलिवर, वाणिज्यिक कर आयुक्त डॉ. डी. जगन्नाथन और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय ने तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी से कहा : मंत्री पद और स्वतंत्रता के बीच चुनाव करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को द्रमुक नेता वी सेंथिल बालाजी से कहा कि वह ''पद और स्वतंत्रता के बीच'' चुनाव करें। शीर्ष अदालत ने उन्हें चेतावनी भी दी कि यदि वह तमिलनाडु में मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस तथ्य पर आपत्ति जताई कि 'नौकरी के बदले नकदी' घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में जमानत मिलने के कुछ दिनों बाद ही बालाजी को तमिलनाडु के कैबिनेट मंत्री के रूप में बहाल कर दिया गया।

शीर्ष अदालत ने कहा, ''इस बात की गंभीर आशंका है कि आप हस्तक्षेप करेंगे और गवाहों को प्रभावित करेंगे। आपको पद (मंत्री) और स्वतंत्रता के बीच चुनाव करना होगा। आप क्या चुनाव करना चाहते हैं, आप हमें बताइए।'' शीर्ष अदालत ने पिछले फैसले का हवाला दिया जिसमें दर्ज किया गया था कि उन्होंने लोगों को अपने खिलाफ शिकायतें वापस लेने के लिए मजबूर किया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जमानत दिए जाने का मतलब गवाहों को प्रभावित करने की शक्ति नहीं है। पीठ ने कहा, ''जब आप मंत्री थे, तो आपने जिस तरह से समझौता कराया था, उसके बारे में आपके खिलाफ स्पष्ट निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं और कार्यवाही रद्द की जाती है। जमानत दिए जाने का मतलब गवाहों को प्रभावित करने का अधिकार नहीं है। अतीत में भी आपने गवाहों को प्रभावित किया है।'' परिणामस्वरूप, शीर्ष अदालत ने उन्हें एक विकल्प दिया।

पीठ ने कहा, ''इसलिए, आपको पद और स्वतंत्रता के बीच चुनाव करना होगा। मंत्री के रूप में आपके खिलाफ ऐसे कठोर निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं।'' उच्चतम न्यायालय बालाजी की जमानत को वापस लेने की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

इस याचिका में इस बात को आधार बनाया गया है कि उन्होंने मामले में गवाहों को प्रभावित किया था। शीर्ष अदालत ने बालाजी के खिलाफ उनके पिछले आचरण के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला पाया, जिसमें दिखाया गया कि 'उन्होंने गवाहों के काम में हस्तक्षेप किया और उन्हें प्रभावित किया।'

पीठ ने कहा, ''अब, आप उसी स्थिति में वापस चले गए हैं, जहां एक मंत्री के रूप में आप प्रभावित करने में सक्षम होंगे। हमने आपको बिल्कुल अलग आधार पर जमानत दी है। आपको एक बात याद रखनी चाहिए। उन्हें गुणदोष के आधार पर जमानत नहीं दी गई थी। उन्हें संविधान के अनुच्छेद 21 के संभावित उल्लंघन के आधार पर जमानत दी गई थी। जब आप मंत्री के पद पर हैं, तो हम क्या संकेत दे रहे हैं?''

बालाजी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ कोई सीधा निष्कर्ष नहीं था। तमिलनाडु सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर गवाहों को प्रभावित करने की कोई संभावना है तो मुकदमे को राज्य से बाहर स्थानांतरित किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने इससे असहमति जताते हुए कहा कि इससे कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपने हलफनामे का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि बालाजी ने गवाहों को प्रभावित किया। करूर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बालाजी को 14 जून, 2023 को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला तब का है जब वह 2011 और 2015 के बीच पिछली अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान परिवहन मंत्री थे। पिछले साल 13 फरवरी को, तमिलनाडु के राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद से बालाजी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। शीर्ष अदालत ने 26 सितंबर, 2024 को उन्हें राहत दी थी तथा इसी के साथ उनकी 471 दिनों की कैद को समाप्त कर दिया।

ईडी ने 2018 में तमिलनाडु पुलिस द्वारा तीन प्राथमिकी दर्ज किए जाने और कथित घोटाले में पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपों की जांच के लिए जुलाई 2021 में धनशोधन का मामला दर्ज किया था।

आरोपपत्र में दावा किया गया है कि मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान राज्य परिवहन विभाग में पूरी भर्ती प्रक्रिया 'भ्रष्ट शासन' में बदल गयी थी।

उच्च न्यायालय ने ईडी के छापे के खिलाफ टीएएसएमएसी की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) और राज्य सरकार की ओर से दायर उन याचिकाओं को खारिज कर दिया जिनमें मार्च में सरकारी शराब खुदरा विक्रेता के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति के राजशेखर की खंडपीठ ने टीएएसएमएसी की ओर दायर की गईं दो याचिकाओं और तमिलनाडु सरकार की ओर से दायर की गई एक याचिका को खारिज कर दिया।

पीठ ने ईडी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ईडी के अनुसार, उसने पाया है कि 'डिस्टिलरी' कम्पनियों और 'बॉटलिंग' इकाइयों में बेहिसाब नकदी और अवैध भुगतान के माध्यम से गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी की गई है। टीएएसएमएसी ने अपनी याचिका में ईडी को यह निर्देश देने की मांग की है कि वह जांच की आड़ में उसके कर्मचारियों को परेशान न करे। इसमें यह भी घोषित करने का अनुरोध किया है कि राज्य की क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर अपराध की जांच करने की ईडी की कार्रवाई संघवाद का उल्लंघन है।

उच्च न्यायालय ने विशेष अदालत को दिया संपत्ति मामले में दुरईमुरुगन के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने वेल्लोर जिले की एक विशेष अदालत को आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति मामले में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के महासचिव दुरईमुरुगन तथा उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कानून के अनुरूप आरोप तय करने का बुधवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पी वेलमुरुगन ने सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिकाओं को विचारार्थ स्वीकार करते हुए यह निर्देश दिया। याचिकाओं में वेल्लोर की एक विशेष अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें दुरईमुरुगन और उनके परिवार के सदस्यों को मामले से बरी कर दिया गया था।

न्यायाधीश ने कहा कि चूंकि इस मामले में जांच अवधि 1996 से 2001 के बीच थी, इसलिए विशेष अदालत को निर्देश दिया जाता है कि वह दैनिक आधार पर सुनवाई करके छह महीने के भीतर मामले का निपटारा करे। मामले के अनुसार दुरईमुरुगन ने अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम पर 3.92 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक थी। यह संपत्ति तब खरीदी गई जब 1996 से 2001 के बीच वह लोक निर्माण मंत्री थे।

वेल्लोर की विशेष अदालत ने 23 फरवरी, 2007 को दुरईमुरुगन, उनकी पत्नी डी. संथाकुमारी, उनके भाई दुरई सिंगाराम, उनके बेटे डी. एम. कथिर आनंद, जो अब वेल्लोर से लोकसभा सदस्य हैं, तथा उनकी पुत्रवधू के. संगीता को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज 2002 के मामले से बरी कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए डीवीएसी ने मार्च 2012 में वर्तमान पुनरीक्षण याचिकाएं दायर कीं। इसे स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति वेलमुरुगन ने उपरोक्त निर्देश दिए।

आतंकवाद को सख्ती से निपटने की जरूरत : सद्गुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

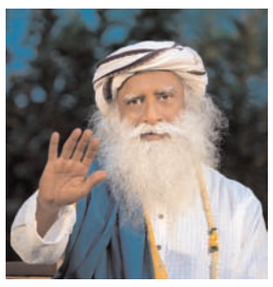

कोयम्बटूर। ईश फाउन्डेशन के प्रमुख सद्गुरु ने पहलगाम हमले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर हम इस देश की संप्रभुता को कायम रखना चाहते हैं तो इन तत्वों से सख्ती से निपटना होगा और दृढ़ संकल्प के साथ दीर्घकालिक प्रयास करने होंगे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दुखद आतंकी हमले के बाद, जिसमें कम से कम 26 लोगों की जान गई, जिनमें से ज़्यादातर निर्दोष पर्यटक थे। ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है और इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस तरह के कृत्यों के पीछे व्यापक इरादे और एक संतुलित, एकजुट राष्ट्रीय प्रतिक्रिया के महत्व पर राय व्यक्त करते हुए अपने विचार साझा किए।

'एक्स' पर अपने पोस्ट में, सद्गुरु ने लिखा, आतंकवाद का उद्देश्य युद्ध नहीं बल्कि समाज को डर से लाचार बनाना है। इसका उद्देश्य दहशत फैलाना, समाज को विभाजित करना, देश की आर्थिक वृद्धि को पटरी से उतारना और हर स्तर पर अराजकता पैदा करना है। अगर हम इस देश की संप्रभुता को कायम रखना चाहते हैं और उसका पोषण करना चाहते हैं, तो इन तत्वों से कठोर हाथों और दृढ़ दीर्घकालिक संकल्प के साथ निपटना होगा।

पुडुचेरी में हॉलमार्किंग पर ज्वैलर्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) चेन्नई शाखा कार्यालय ने 23 अप्रैल को पुडुचेरी में हॉलमार्किंग के बारे में ज्वैलर्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पुडुचेरी और उसके आसपास के इलाकों से करीब 50 ज्वैलर्स/ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्षों ने इस जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

बीआईएस चेन्नई शाखा के के वैज्ञानिक ई/निदेशक जीवानंदम डी ने सभी ज्वैलर्स का स्वागत किया। वैज्ञानिक ई/निदेशक आर मुनिनारायण ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने हॉलमार्किंग योजना के महत्व और हॉलमार्किंग योजना की शुरुआत और पिछले कुछ वर्षों में इसके विकास के बारे में बताया। इसके बाद एक तकनीकी प्रस्तुति दी गई जिसमें जीवनंदम डी और आर मुनिनारायण ने बीआईएस हॉलमार्किंग योजना और प्रक्रियाएं, हॉलमार्किंग नियम और विनियमन, ज्वैलर्स की जिम्मेदारियां, भारतीय मानक (आईएस 1417) के तत्व और संशोधन, संक्षेप में एचयूआईडी, विशेष रूप से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जिसमें एचयूआईडी का अनिवार्य अंकन, तत्कालीन प्रक्रिया के अनुसार पुराने हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों यानी बिना एचयूआईडी के बिक्री की अंतिम तिथि, ऑनलाइन पंजीकरण, बीआईएस केयर ऐप, बीआईएस वेबपेज में सूचीबद्ध अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) आदि के बारे में बताया। प्रतिभागियों ने ज्वैलर्स जागरूकता बैठक में बीआईएस की पहल की सराहना की।

मुंबई सीएसटी और कन्याकुमारी के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार मध्य रेलवे ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन नंबर 01005/01006 मुंबई सीएसटी-कन्याकुमारी-मुंबई सीएसटी साप्ताहिक स्पेशल विशेष ट्रेनें की आठ सेवाएं अधिसूचित की हैं।

ट्रेन संख्या 01005 मुंबई सीएसटी-कन्याकुमारी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार 07, 14, 21, 28 मई, 04, 11, 18 और 25 जून को 00.30 बजे मुंबई सीएसटी से रवाना होगी और अगले दिन 13.15 बजे कन्याकुमारी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 01006 कन्याकुमारी-मुंबई सीएसटी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 08, 15, 22, 29 मई, 05, 12, 19 और 26 जून को कन्याकुमारी से 15.30 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 04.15 बजे मुंबई सीएसटी पहुंचेगी। इस ट्रेन में चार एसी टू टियर कोच, 6 - एसी थ्री टियर कोच, चार स्लीपर क्लास कोच, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, एक द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और एक लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

कोयम्बटूर रेलवे विकास के लिए रेल मंत्री को ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/कोयम्बटूर। कोयंबटूर रेलवे के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवं कोयम्बटूर से विधायक वनथी श्रीनिवासन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि दक्षिण रेलवे के मुख्य राजस्व-उत्पादक रेलवे स्टेशन कोयंबटूर में पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसके कारण इस क्षेत्र के लोगों की ट्रेन यात्रा में बड़ी मुश्किलें आती हैं। इसलिए, रेलवे के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और अतिरिक्त ट्रेन सेवाएं प्रदान करने के लिए अनुरोध किया।

कोयंबटूर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए मयिलादुथुराई-तंजावुर ट्रेन सेवा को पोलाची और किनाथुकदावु तक बढ़ाया जाना चाहिए। यह परियोजना पहले से ही रेलवे बोर्ड की मंजूरी का इंतजार कर रही है। कोयंबटूर और पोलाची के माध्यम से इरोड-रामेश्वरम के बीच एक नई ट्रेन सेवा संचालित की जानी चाहिए। कोयंबटूर-पोल्लाची एक्सप्रेस को मदुरै तक बढ़ाया जाना चाहिए। तिरुवनंतपुरम-कोयंबटूर के बीच एर्नाकुलम और पलक्कड़ के मार्ग पर एक नई वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू की जानी चाहिए। नागरकोइल, कोयंबटूर और नागरकोइल-पलनी के बीच एक जनशताब्दी ट्रेन सेवा चलाई जानी चाहिए। यह पलनी और मदुरै जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए फायदेमंद होगा। इसी तरह, चूंकि कोयंबटूर की आबादी 35 लाख को पार कर गई है, इसलिए शहर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड किया जाना चाहिए और कोयंबटूर उत्तर रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और रखरखाव की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही, माल टर्मिनल को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। भाजपा की राष्ट्रीय महिला विंग की अध्यक्ष वनाथी श्रीनिवासन विधायक ने एक याचिका प्रस्तुत की है जिसमें मांग की गई है कि पोदनूर जंक्शन पर पिट लाइन और स्टेबलिंग लाइन का निर्माण किया जाए क्योंकि एपीएसएस परियोजना के तहत विकास कार्य में देरी हो रही है। उन्होंने राजस्थानी लोगों के लिए हफ्ते में एक बार चल रही हिसार एक्सप्रेस को हफ्ते में दो बार जिसे यात्रियों के लिए सेकंड क्लास स्लीपर के कोच की व्यवस्था भी रहे।

पहलगाम आतंकी हमला : परिवार के साथ छुट्टी मनाने गये बुजुर्ग केरलवासी की मौत

कोच्चि। केरल के एडपल्ली निवासी रामचंद्रन का यात्रा के प्रति प्रेम का मंगलवार को तब दुखांत हो गया जब कश्मीर के पहलगाम में उन्हें उनकी बेटी के सामने आतंकवादियों ने भून डाला। वह आतंकवादी हमले में मारे गये 26 पर्यटकों में शामिल हैं। रामचंद्रन (65) अपनी पत्नी, बेटी और नाती-नातिनों के साथ छुट्टियां मनाने कश्मीर गए थे। उनकी बेटी अपने अपने माता-पिता से मिलने दुबई से आई थी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के कार्यालय ने मंगलवार देर रात आतंकवादी हमले में रामचंद्रन की मौत की पुष्टि की, लेकिन अधिक जानकारी नहीं दी।

बुधवार सुबह एडपल्ली स्थित रामचंद्रन के घर पर पहुंचे उनके मित्रों एवं परिवार के सदस्यों ने कहा कि वे स्तब्ध हैं और उन्हें अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि रामचंद्रन नहीं रहे। कई वर्षों तक संयुक्त अरब अमीरात में काम करने के बाद रामचंद्रन कुछ वर्ष पहले अपनी पत्नी शीला के साथ कोच्चि लौट आए थे। अपने आंसुओं को रोकने की कोशिश करतीं एक महिला रिश्तेदार ने बताया कि यह वृद्ध दंपत्ति अपनी बेटी और नाती-नातिनों के साथ कश्मीर गए थे, जो दुबई से छुट्टियां मनाने यहां आए थे।

उन्होंने एडपल्ली में रामचंद्रन के घर पर मीडिया से कहा, दोनों को यात्रा करना बहुत पसंद था। कश्मीर जाने से एक दिन पहले शीला ने मुझे फोन किया और अपनी यात्रा के बारे में बताया। वे सभी बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि वह अब भी सदमे में हैं और रामचंद्रन की दुखद मौत के बारे में सोचकर कांप उठती हैं। रामचंद्रन के पड़ोसी शिवशंकरन नायर ने बताया कि परिवार के कश्मीर जाने से ठीक पहले भी उन दोनों के बीच आपस में बात हुई थी।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को मुख्य सचिवालय में परिवहन मंत्री एस.एस.शिवशंकर ने वर्ष 2025-2026 के लिए परिवहन विभाग के अनुदान अनुरोध पर चर्चा से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया।

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक ने त्रिची डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में सांसदों के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 23 अप्रैल को दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक और सांसदों के बीच हुई बैठक में त्रिची डिवीजन के अंतर्गत विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख विकास कार्यों 'पूर्ण हो चुके और चल रहे' की समीक्षा की गई और सांसदों को इसकी जानकारी दी गई। बैठक में यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए दक्षिण रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाया गया। बैठक में राज्यसभा सदस्य एस कल्याणसुन्दरम्, पुडुचेरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद वी. वैथीलिंगम, राज्यसभा सदस्य एम. शनमुगम, तिरुचिराप्पल्ली के सांसद दुरई वाइको तंजावुर के सांसद एस. मुरासोली, पेरम्बलूर के सांसद अरुण नेहरू, मयिलादुथुराई के सांसद आर. सुधा, कुड्डालोर के सांसद डॉ. एमके विष्णु प्रसाद, तिरुवन्नामलाई के सांसद सीएन अन्नादुराई, नागपट्टिनम के सांसद वी. सेल्वराज, विल्लुपुरम् के सांसद डॉ. डी. रविकुमार उपस्थित थे।

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने सभी सांसदों का स्वागत किया तथा दक्षिण रेलवे के कामकाज का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने हाल की उपलब्धियों तथा पूरे जोन में यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए की गई विभिन्न पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तिरुचिरापल्ली डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक एम.एस. अनबालगन के साथ-साथ दक्षिण रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी बैठक में भाग लिया।

सांसदों ने अपने अपने क्षेत्रों में नई रेलगाड़ियों की शुरुआत, अतिरिक्त ठहरावों का प्रावधान, नई रेलवे लाइन निर्माण की प्रगति, मौजूदा सेवाओं का विस्तार, स्टेशन विकास, दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य, सड़क ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज का निर्माण, यात्री सुविधाओं में सुधार और रेलवे परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने तिरुचिरापल्ली डिवीजन के आगे के विकास और सेवाओं में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिए। दक्षिण रेलवे आधुनिक बुनियादी ढांचे, डिजिटल समाधान और लगातार हितधारक जुड़ाव के संयोजन के माध्यम से यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

रद्द हुआ अमेरिकी उपराष्ट्रपति का सिटी पैलेस जाने का प्रोग्राम, आगरा से लौटकर सीधे होटल पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर के तीन दिवसीय दौरे पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के कार्यक्रम में कुछ बदलाव हो गया है। जानकारी के अनुसार वेंस का सिटी पैलेस जाने का कार्यक्रम रद्द हो गया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है लेकिन बताया जा रहा है कि उनके बच्चे यहां की गर्मी से काफी परेशान हैं इसलिए सिटी पैलेस जाने का कार्यक्रम रद्द किया जा रहा है। वेंस आगरा घूमकर सीधे जयपुर स्थित रामबाग होटल पहुंचे हैं, जहां वे ठहरे हुए हैं। उनका आज दोपहर ढाई बजे सिटी पैलेस घूमने का कार्यक्रम था। सिटी पैलेस जयपुर के पूर्व राजपरिवार का निवास स्थान भी है।

यहां म्यूजियम भी है, जिसे देखने के लिए देश-दुनिया से काफी पर्यटक आते हैं। डिप्टी सीएम दीया कुमारी भी सिटी पैलेस में ही रहती हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वेंस को आगरा विजिट के बाद आज दोपहर ढाई बजे परिवार के साथ सिटी पैलेस पहुंचना था, यहां उनके स्वागत में भोज का इंतजाम भी किया गया था।

पहलगाम में हमले में मारे गये जयपुर के व्यक्ति के घर मातम का माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गये जयपुर के व्यक्ति के घर पर बुधवार को मातम पसरा रहा। अधिकारियों के मुताबिक, मृतक का राजधानी में मॉडल टाउन इलाके के फॉरेस्ट व्यू रेजीडेंसी में घर है जहां उनका परिवार रहता है। उन्होंने बताया कि नीरज उधवानी (33) और उनकी पत्नी आयुषी मंगलवार को पहलगाम में थे जहां आतंकियों ने हमला कर नीरज की गोली मारकर हत्या कर दी।

नीरज उधवानी का पार्थिव देह बुधवार रात जयपुर लाया जाएगा। मृतक के चाचा दिनेश उधवानी ने बताया कि नीरज दुबई में सीए के तौर पर काम कर रहे थे और वह एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे और सोमवार को जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे। उन्होंने बताया, हमें नीरज की पत्नी से सूचना मिली कि उसे आतंकवादियों ने गोली मार दी है। दिनेश ने बताया कि नीरज कश्मीर से लौटने के बाद वापस दुबई जाने वाला था। नीरज की शादी फरवरी 2023 में आयुषी के साथ हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही उनके रिश्तेदारों ने घर जाकर परिवार को सांत्वना दी।

मृतक की मां ज्योति ने हमले में शामिल आतंकवादियों के लिए मृत्युदंड की मांग की। उन्होंने कहा, आतंकवादियों को फांसी दी जानी चाहिए। भारत के सभी लोगों में भाईचारा है। कोई हिंदू ऐसी घटना कभी नहीं करेगा। नीरज दुबई से एक शादी में शामिल होने आया था और कश्मीर चला गया। मैंने सोमवार को उससे बात की। वह पांच दिन बाद वापस आने वाला था। नीरज के पिता की करीब दस साल पहले मौत हो गई थी। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से मशहूर प्रमुख पर्यटक स्थल बैसरन में मंगलवार को आतंकवादियों ने हमला किया था, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इनमें ज्यादातर पर्यटक हैं।

पहलगाम हमले ने हम सब को अंदर तक झकझोरा : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले ने हम सब को अंदर तक झकझोर दिया है। गहलोत मंगलवार शाम जयपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में कहा कि पहलगाम कोई सीमावर्ती इलाका नहीं है बल्कि कश्मीर का अंदरूनी इलाका है जो पर्यटन के लिए मशहूर है। यहां तक पहुंचे आतंकी पर्यटकों को निशाना बनाकर देशभर में दहशत फैलाने के नापाक इरादे रखते हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने पत्नियों और बच्चों को अलग कर कोई रहम नहीं दिखाया बल्कि ऐसा इसलिए किया जिससे महिलाओं और बच्चों को उनके पति और पिता की उनकी आंखों के सामने मारने का जीवनभर का दुख और सदमा दे सकें। उन्होंने कहा कि हथियारों के बल पर निहत्थों को निशाना वाले समझ लें भारत देश कभी ऐसे कायराना हमलों से न डरा है और न ही डरेगा। ऐसे आतंकियों को हमारे सुरक्षाबल मुंहतोड़ जवाब देंगे।

विधान मंडलों की समितियो के अध्ययन भ्रमण नवाचारों को साझा करने की अभिनव पहल : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति ने बुधवार को राजस्थान विधान सभा का अध्ययन भ्रमण किया। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने समिति के सभापति और सदस्यों का स्वागत किया। देवनानी ने राजस्थान विधान सभा आये केरल की समिति के सभापति को विधान सभा का साहित्य भेंट किया। केरल समिति के सभापति ने अध्यक्ष देवनानी को शॉल एवं केरल विधान सभा का साहित्य भेंट किया। केरल की इस समिति के सदस्यों के साथ देवनानी ने दोनों राज्यों की विधायी व्यवस्थाओं और परंपराओं पर चर्चा की। देवनानी राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी दी। केरल की समिति के सदस्यों ने राजस्थान विधानसभा में किए गए विधायी नवाचारों को बेहतर बताया।

देवनानी ने कहा कि देश की विभिन्न राज्यों की विधान मंडलों की समितियो के अध्ययन भ्रमण से विधान मंडलों की कार्य प्रणाली और विधायी प्रक्रियाओं में किए जा रहे नवाचारों को साझा करने की अभिनव पहल है। केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष के.पी. कुन्हम्मदकुट्टी मास्टर के नेतृत्व में समिति के सदस्य अहमद देवरकोइल, जॉब माइकल और माम्मीकुट्टी. पी ने राजस्थान विधान सभा प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया। समिति ने विधान सभा का सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी मौजूद थे।

आर्य कुलम शिक्षण संस्थान के संचालक के खिलाफ होगी एफआईआर

प्रतापगढ़। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रतापगढ़ जिले में एक निजी स्कूल में चार साल के मासूम छात्र के हाथ पैर बांधकर मारपीट के मामले में संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ को शिक्षण संस्थान के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। यह मामला दिलावर के संज्ञान में आने पर उन्होंने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ को निर्देश दिए हैं कि शिक्षा विभाग की तरफ से स्कूल संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। पूरी जांच कर स्कूल को सीज किया जाए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ शहर के जीरो माइल चौराहा स्थित आर्य कुल शिक्षण संस्थान में एक चार वर्षीय मासूम बालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। माता-पिता ने कोतवाली थाना पुलिस में गत 22 मार्च को प्रिंसिपल निर्मल कुंवर, मैनेजमेंट कर्मी संगीता कुंवर और संचालक लोकेंद्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। 20 अप्रैल को प्रिंसिपल की गिरफ्तारी हुई। प्ले ग्रुप में पढ़ने वाले चार साल के मासूम की मां का आरोप है कि स्कूल में उसे जानबूझकर अलग कमरे में बंद रखा जाता था। हाथ पैर बांधकर घंटे बैठाया जाता और यूरिन इन्फेक्शन की हालत में भी उसे कोई देखरेख नहीं मिली।

जब मां को शक हुआ तो वह स्कूल पहुंची। उन्हें पता चला कि मासूम के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है। सीसीटीवी फुटेज में स्कूल प्रिंसिपल निर्मल कुंवर बच्चे को पिटती दिखाई दे रही है। इसी आधार पर पुलिस ने 20 अप्रैल को उसे गिरफ्तार किया। बच्चों के माता-पिता ने एससी-एसटी एक्ट, जेजे एक्ट और शिक्षा अधिकार कानून की धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है।

बजट घोषणाओं के अनुरूप सभी घोषणाओं को तय समयावधि में करें पूरा : राजन विशाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में बुधवार को कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के अनुसार सभी योजनाओं को तय समयावधि में पूर्ण करें। शासन सचिव ने कहा कि बजट में शामिल घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें। योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक कृषकों को लाभ पहुंचाये, जिससे किसान योजनाओं का लाभ लेकर अपनी पैदावार में वृद्धि कर सकेंगे।

बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, बीज मिनिकिट वितरण सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को ई-फाईल निस्तारण का औसत समय और कम करने के लिए कहा। सभी सीनियर अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का ई-फाईल डिस्पोजल टाईम समय-समय पर चैक करने के निर्देश प्रदान किये। बैठक में आयुक्त कृषि सुचिन्मयी गोपाल, निदेशक आत्मा डॉ0 सुवालाल जाट, वित्तीय सलाहकार कृषि अचलेश्वर मीना, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) डॉ. हुशियार सिंह सहित सम्बन्धित योजना प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

पहलगाम आतंकी हमले पर वकीलों का आक्रोश, श्रद्धांजलि सभा के बाद कार्य स्थगित

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कल हुए कायराना आतंकी हमले की दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर ने कड़ी निंदा की है। इस बर्बर घटना में निर्दोष नागरिकों की जान जाने से पूरा देश स्तब्ध है और संपूर्ण अधिवक्ता समुदाय में गहरा रोष व्याप्त है। बार एसोसिएशन ने इस शर्मनाक हमले को देश की आत्मा पर हमला बताया है। पहलगाम में हुए इस आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए जयपुर के सभी अधिवक्तागण आज प्रातः 11:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट जयपुर पर एकत्रित होकर इस शर्मनाक आतंकी घटना पर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन दिया।

दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गजराज सिंह राजावत ने बताया कि इस घटना के विरोध और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जयपुर के सभी राजस्व न्यायालयों में आज कार्य स्थगित रहेगा। अधिवक्ता समुदाय इस कायराना कृत्य के खिलाफ अपनी एकजुटता और शोक व्यक्त किया। बार एसोसिएशन के महासचिव नरेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर यह हमला मानवता के खिलाफ अपराध है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वासुदेव देवनानी ने किया विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर के विभिन्न क्षेत्रों में 265 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह कार्य जनकल्याण, आधारभूत संरचना और जनविश्वास की नींव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास हैं। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने वार्ड नं. 74 की छतरी योजना में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 18 लाख रुपए की लागत से किए जाने वाले सड़क निर्माण एवं वार्ड 74 की रामदेव बस्ती में अनुमानित लागत 14 लाख रुपये के सड़क निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इस प्रकार वार्ड 74 के जी-ब्लॉक की गली नंबर 3 और 4 में भी सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। इसकी लागत 13 लाख रुपये है।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि हमारा संकल्प है कि शहर की हर गली तक पक्की सड़क पहुंचे। इससे कोई नागरिक मूलभूत सुविधा से वंचित नहीं रहेगा। यह केवल सड़क नहीं विश्वास का मार्ग है। जनता और जनप्रतिनिधि के बीच गहरे संबंध को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त विधायक कोष से अजमेर के वार्ड नं. 77 वैशाली नगर में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी किया गया। इस भवन की लागत 25 लाख रुपये है। देवनानी ने कहा कि यह भवन ईंट और पत्थर की संरचना होने के साथ सेवा, सहयोग और संगठन का प्रतीक है। यह स्थान सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक नया केंद्र बनेगा। इससे क्षेत्र के लोगों को एकजुट होकर मांगलिक एवं रचनात्मक कार्यों के आयोजन की सुविधा मिलेगी। विकास कार्यों की श्रृंखला में विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा वरुण सागर रोड स्थित रामेश्वरम स्कूल से ग्राम बोराज की ओर जाने वाले नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया। इस नाले की लागत 195 लाख रुपये है। देवनानी ने इस मौके पर कहा कि स्वच्छता और सुरक्षा शहर के विकास के दो मजबूत स्तंभ हैं। यह निर्माण कार्य जलभराव की समस्या को स्थायी रूप से समाप्त करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र मेरा परिवार है आज विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ और लोकार्पण किया गया। हम सबका कर्तव्य है कि मिलकर एक स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध अजमेर का निर्माण करें।

कृषि विभाग द्वारा तीन दिवसीय ओरियंटेशन ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक रसायन उपलब्ध कराने और कृषि आदानों यथा उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी रसायनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर में गुण नियंत्रण निरीक्षकों की कार्य क्षमता में वृद्धि के लिए तीन दिवसीय ओरियंटेशन ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पूरे प्रदेश से 65 गुण नियंत्रण निरीक्षकों द्वारा भाग लिया गया। कार्यशाला में निरीक्षकों को यूरिया डायवर्जन पर नियंत्रण, कृषि आदानों की गुणवत्ता नियंत्रण, उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की जानकारी दी गई।

भारत में उर्वरकों के उत्पादन और बिक्री को विनियमित करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कानून है जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत जारी किया गया है। इसका उद्देश्य सभी किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्ता युक्त उर्वरक उपलब्ध कराना तथा समान वितरण सुनिश्चित करना है। ओरियंटेशन कार्यशाला में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के सेम्पलिंग लेने की जानकारी दी गई। जैविक खेती में गुणवत्ता नियंत्रण, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य पर भी जोर दिया गया। जैविक खेती में गुणवत्ता नियंत्रण जैविक मानकों के अनुरूप उत्पादों का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। कीटनाशक अधिनियम 1968 की भी जानकारी दी गई।

इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य मनुष्य व जानवरों के लिए जोखिम को कम करते हुए कीटनाशकों के आयात, निर्माण, बिक्री, परिवहन, वितरण और उपयोग को नियंत्रित करना है। इस अधिनियम के अनुसार किसी भी कीटनाशक को बाजार में बेचने से पहले उसका पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। कीटनाशकों के निर्माण एवं बिक्री के लिए लाईसेन्स लेना होगा। अधिनियम नकली व निम्न गुणवत्ता वाले कीटनाशकों को बाजार में बिक्री करने से रोकता है। कार्यशाला में निरीक्षकों को कीटनाशी प्रशिक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण करवाकर कीटनाशी नमूनों के विश्लेषण की जानकारी दी गई। बीज परीक्षण प्रयोगशाला में बीज के नमूनों के विश्लेषण की और उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला में उर्वरकों नमूनों के विश्लेषण की जानकारी दी गई।

गर्मी पर अलर्ट रहे चिकित्सा विभाग : खींवसर

जयपुर। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में हीटवेव प्रबन्धन को लेकर प्रदेश भर में चिकित्सा तैयारियों को बैठक ली। कहा कि इसके बचाव एवं उपचार के लिए उच्च स्तरीय प्रबंधन किया जा रहा है। लू तापघात से प्रदेश में कोई जनहानि नहीं हो। पूरा चिकित्सा तंत्र अलर्ट मोड और प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ काम करे। जांच, दवा, उपचार सहित तमाम व्यवस्थाएं पुख्ता रहें। कोई भी लापरवाही या कमी सामने आती है तो संबंधित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, जांच, दवा एवं उपचार के प्रबंधन में कोई कमी नहीं रहे। आरएमआरएस फंड का उपयोग करें या वैकल्पिक उपायों के माध्यम से तुरंत व्यवस्था सुनिश्चित करें।

इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य : अरोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम'अभियान से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में 'हरियालों राजस्थान'अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य राज्य को हरित, स्वच्छ और जलवायु अनुकूल बनाना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

श्रीमती अरोरा बुधवार को शासन सचिवालय में 'हरियालों राजस्थान'के तहत इस वर्ष किये जाने वाले वृक्षारोपण के कार्यों की तैयारियों के सम्बन्ध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं,ताकि वृक्षारोपण के कार्य समयबद्ध एवं सफलता पूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को केवल एक लक्ष्य की पूर्ति न मानते हुए, प्रत्येक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षण देने की जिम्मेदारी के साथ काम करें।

उन्होंने कहा कि 'हरियालो राजस्थान'मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से लगाए गए प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग की जाएगी,जिससे उनकी निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी समय रहते इस एप्लिकेशन का प्रशिक्षण प्राप्त करें। वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि इस अभियान को नवाचार, आधुनिक तकनीकों और जनसहभागिता के माध्यम से जनांदोलन बनाया जाए। नदियों के किनारों, औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के आसपास, विद्यालयों, अस्पतालों तथा नगरीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार जलवायु और मिट्टी की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए जीवित रहने की अधिक संभावना वाले पौधों का चयन किया जाए। साथ ही, पौधों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने के लिए नर्सरियों को भी अग्रिम रूप से तैयार किया जाए। बैठक में बताया गया कि इस अभियान को जनसामान्य से जोड़ते हुए सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि यह महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर जनांदोलन बने।

एयरो-इंजन विकास सरकार की प्राथमिकता वाला क्षेत्र : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि वायुसेना की जरूरतों के मद्देनजर एयरो-इंजन का विकास सरकार का ''प्राथमिकता वाला क्षेत्र'' है और प्रयास है कि इस इंजन को ''सह-विकास और सह-उत्पादन'' मॉडल के तहत पूर्ण बौद्धिक संपदा अधिकारों के साथ स्वदेशी तौर पर बनाया जाए।

यहां सुब्रतो पार्क स्थित वायुसेना सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ''बदलते भू-रणनीतिक समीकरणों'' का भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है, जैसा पहले कभी नहीं था।

सिंह ने कहा कि ये भू-रणनीतिक अनिश्चितताएं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किस तरह की चुनौतियां पेश करती हैं और ''हम उनसे निपटने के लिए किस तरह तैयार हैं'', यह भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने भारतीय वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह की स्मृति में वायु सेना एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक व्याख्यान में यह टिप्पणी की। अर्जन सिंह की जयंती 15 अप्रैल को थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ''वह एक दूरदर्शी सैन्य नेता थे, जो आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। यदि भारतीय वायुसेना आज दुनिया की सबसे मजबूत वायु सेनाओं में से एक है, तो यह भारतीय वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह जैसे सैन्य नेताओं की दूरदर्शिता के कारण है।''

मंत्री ने कहा, ''ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जो इतिहास का हिस्सा होते हैं और इतिहास रचते भी हैं। अर्जन सिंह उनमें से एक थे। हम सभी 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में उनकी भूमिका से परिचित हैं। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का उदाहरण था कि भारतीय वायु सेना ने महज एक घंटे के भीतर जवाबी हमला शुरू कर दिया।''

अपने संबोधन में उन्होंने रक्षा क्षेत्र और भारतीय वायुसेना में आत्मनिर्भरता की भी बात की। सिंह ने वायुसेना की जरूरतों को देखते हुए एयरो-इंजन विकास को सरकार के लिए ''प्राथमिकता वाला क्षेत्र'' बताया।

उन्होंने कहा, ''प्रयास है कि इस इंजन को भारत में ही सह-विकास और सह-उत्पादन के मॉडल पर पूर्ण बौद्धिक संपदा अधिकारों के साथ बनाया जाए।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि 21वीं सदी को एशिया की सदी के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों पर नजर डाले तो उसे एक बात समान नजर आएगी; प्रौद्योगिकी के कारण युद्ध के तरीके बहुत तेजी से बदल रहे हैं।

नौकरी गंवा चुके प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने एसएससी अध्यक्ष को 40 घंटे बाद कार्यालय से जाने दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद नौकरी गंवाने के विरोध में राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) मुख्यालय की घेराबंदी कर रहे शिक्षकों के एक वर्ग ने बुधवार को सुबह एसएससी अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार को 40 घंटे बाद उनके कार्यालय से बाहर जाने की अनुमति दी।

मजूमदार को 2016 एसएससी भर्ती परीक्षा की 'ओएमआर शीट' (ऑप्टिकल मार्क रेकग्निशन शीट) पेश करने से संबंधित सुनवाई के सिलसिले में बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में पेश होना है। प्रदर्शनकारियों ने 21 अप्रैल को अपराह्न दो बजे प्रदर्शन शुरू किया था। उन्होंने कहा कि उनका धरना जारी रहेगा। 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में मजूमदार ने कहा कि वह घर लौट आए हैं और कुछ समय आराम करेंगे, फिर वह निर्धारित समय के अनुसार अदालती कार्यवाही में शामिल होंगे। 'डिजर्विंग टीचर्स फोरम' से जुड़े एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि मजूमदार को इसलिए जाने दिया गया क्योंकि उन्हें अदालत में पेश होना था और साथ ही स्वास्थ्य कारणों के चलते भी उन्हें कुछ राहत दी गई। उन्होंने कहा, ''हमारा धरना जारी रहेगा... अदालत की कार्यवाही के बाद मजूमदार के अपने कार्यालय लौटने पर उनका फिर से घेराव किया जाएगा।'' कलकत्ता उच्च न्यायालय बुधवार को पश्चिम बंगाल स्कूल शिक्षा विभाग के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें दावा किया गया है कि विभाग ने 26,000 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की 'ओएमआर शीट' अपलोड नहीं की है, जो उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो चुके हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर विवादित पोस्ट करने के आरोप में झारखंड में व्यक्ति गिरफ्तार

बोकारो/जमशेदपुर (झारखंड)/भाषा। झारखंड के बोकारो जिले में पहलगाम आतंकवादी हमले के संबंध में एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट अपलोड करने के आरोप में बुधवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद नौशाद नामक इस व्यक्ति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा की कथित तौर पर प्रशंसा की है। बालीडीह के थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि व्यक्ति को बालीडीह थाना क्षेत्र में मिल्लत नगर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों ने हमला किया जिसमें 26 लोग मारे गए।

पहलगाम की 'आपदा में अवसर' ढूंढ रही है भाजपा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद 'आपदा में अवसर' ढूंढने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी अपनी सत्ता के सिवा और किसी की सगी नहीं है। भाजपा ने पलटवार करते हुए सपा पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

यादव ने 'एक्स' पर की गई विस्तृत पोस्ट में भाजपा पर पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर 'बचकाना विज्ञापन' जारी करने का आरोप लगाया। यादव ने कहा, ''भाजपा ने जम्मू कश्मीर के बेहद दर्दनाक हादसे पर बचकाना विज्ञापन छापकर साबित कर दिया है कि भाजपाइयों की संवेदना उन लोगों के प्रति शून्य है, जिन्होंने अपना जीवन खोया है और जिनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।'' उन्होंने पोस्ट में कहा, ''भाजपा अब ये विज्ञापन हटवा भी देगी तो भी उसका ये पाप उसके कट्टर समर्थक तक माफ नहीं करेंगे। भाजपा हमेशा आपदा में अपनी सत्ता और सियासत के लिए अवसर ढूंढती है। भाजपा अपनी सत्ता के सिवा किसी की सगी नहीं है। घोर निंदनीय!''हालांकि सपा प्रमुख ने अपनी पोस्ट के साथ कोई विज्ञापन टैग नहीं किया है लेकिन पार्टी नेताओं का मानना है कि उनका इशारा भाजपा की छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा अपने 'एक्स' हैंडल से पोस्ट की गई एक तस्वीर की तरफ था। इस तस्वीर में हमले के बाद के एक दृश्य का 'एनिमेटेड' स्वरूप दिखाया गया है और साथ में लिखा है 'धर्म पूछा, जाति नहीं।' यादव ने कहा, ''जब जम्मू कश्मीर में भाजपा सरकार ने सब कुछ अपने मन मुताबिक़ किया है तो वो इतने अधिक लोगों की असामयिक मौत के लिए अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती।''

पहलगाम आतंकी हमला बहुत दर्दनाक और अकल्पनीय: तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को ''बहुत दर्दनाक'' बताते हुए कहा कि इस तरह पर्यटकों की जान लेना 'अकल्पनीय' है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से यह भी कहा कि आतंकवादियों ने उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र पर हमला किया और गोलीबारी 20 मिनट तक जारी रही।

नेता प्रतिपक्ष यादव ने कहा, हम इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते। यह बहुत दुखद घटना है। इस तरह से पर्यटकों की हत्या अकल्पनीय है। उन्होंने कहा, मृतकों में से एक बिहार का रहने वाला था, लेकिन वह हैदराबाद में तैनात था। हम सभी शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने गुप्तचर ब्यूरो के अधिकारी मनीष रंजन का जिक्र किया, जिनके पिता बहुत पहले प. बंगाल चले गए थे। रंजन की पत्नी और बच्चे, जो उनके साथ जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पर थे, इस हमले में बच गए। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। यादव ने कहा, पूरा देश सिर्फ न्याय चाहता है। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। पुलवामा आतंकी हमले को इतने साल बीत चुके हैं। कोई नहीं जानता कि जांच का क्या हुआ। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी, 2019 को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए आत्मघाती हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे।

कैलाश विजयवर्गीय और अन्य के खिलाफ जांच की स्थिति रिपोर्ट पेश करें: न्यायालय ने प. बंगाल से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं कैलाश विजयवर्गीय, अर्जुन सिंह और अन्य के खिलाफ राज्य में दर्ज आपराधिक मामलों में जांच की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करे।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अपील 2020 में दायर की गई थीं और उसने राज्य को एक महीने के भीतर एक व्यापक हलफनामा दायर करने तथा जांच के चरण के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने उन्हें प्राप्त अंतरिम संरक्षण भी अगली सुनवाई की तारीख 23 जुलाई तक बढ़ा दिया। पीठ ने प्रश्न किया, ''आप चाहते हैं कि जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। क्या आपको यकीन है कि सीबीआई निष्पक्ष जांच करेगी?''

याचिकाओं में पश्चिम बंगाल के कई पुलिस थानों में दर्ज प्राथमिकियों की जांच को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा, ''याचिकाएं वर्ष 2020 की हैं। इस अदालत ने पहले केवल याचिकाकर्ताओं को बलपूर्वक कार्रवाई से सुरक्षा दी थी, लेकिन कोई रोक नहीं लगाई गई थी। इसलिए, हम पश्चिम बंगाल राज्य को प्रत्येक मामले में जांच के चरणों को बताते हुए एक व्यापक हलफनामा दायर करने का निर्देश देते हैं।''

अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की बात, पहलगाम हमले की निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। वेंस ने प्रधानमंत्री से फोन पर की गई बातचीत में कहा कि इस कठिन समय में अमेरिका भारत के लोगों के साथ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और जम्मू-कश्मीर में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।'' उन्होंने कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि अमेरिका इस कठिन घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है। जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच पर जारी पोस्ट में कहा, ''उन्होंने कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने समर्थन और एकजुटता के संदेशों के लिए उपराष्ट्रपति वेंस और राष्ट्रपति (डोनाल्ड)ट्रंप को धन्यवाद दिया।'' वेंस ने भारत यात्रा के पहले दिन नई दिल्ली में मोदी के साथ व्यापक चर्चा की थी।

सीबीआई ने ग्रामीण डाक सेवक भर्ती धोखाधड़ी मामले में ओडिशा में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2023 में ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) भर्ती में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में ओडिशा के पांच जिलों में 12 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोप है कि परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने 2023 की भर्ती प्रक्रिया के दौरान नौकरी पाने के लिए 'मैट्रिकुलेशन' के फर्जी प्रमाण पत्र जमा किए थे। ओडिशा सर्किल, भुवनेश्वर के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने मामला सीबीआई को भेज दिया था।

सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सीबीआई ने बिचौलियों और उत्तर प्रदेश बोर्ड तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के जाली मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र बनाने में संलिप्त लोगों समेत मामले में शामिल लोगों के परिसरों को निशाना बनाकर ओडिशा के भुवनेश्वर, कालाहांडी, बलांगीर, संबलपुर और केंदुझार जिलों में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने अपराध में इस्तेमाल कई दस्तावेज जब्त किए हैं, जिनमें धोखाधड़ी गतिविधियों की बात सामने आई है। सीबीआई ने पिछले साल 30 दिसंबर को भुवनेश्वर की विशेष सीबीआई अदालत में 58 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिनमें 55 अभ्यर्थी और तीन बिचौलिये शामिल थे।

ओवैसी ने मोदी सरकार पर साधा निशाना, खुफिया नाकामी के कारण हुआ पहलगाम आतंकी हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पहलगाम आतंकवादी हमला खुफिया नाकामी का नतीजा है।

उन्होंने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से इस घटना के लिए जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि यह हमला उरी और पुलवामा में हुई घटनाओं से भी अधिक खतरनाक, निंदनीय और पीड़ादायक है। हैदराबाद के सांसद ने इस घटना की कड़ी निंदा की और उम्मीद जताई कि सरकार सभी आतंकवादियों को सबक सिखाएगी और पीड़ितों के परिवारों को जल्द से जल्द न्याय दिलाएगी। उन्होंने कहा, ''पहलगाम में आतंकवादियों ने बेगुनाह लोगों का धर्म पूछा और अंधाधुंध गोली लगाकर उनकी हत्या कर दी। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यह खुफिया नाकामी भी है।'' उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार को यह देखना चाहिए कि उनकी (आतंकवाद को रोकने की) नीति किस हद तक सफल हो रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश से आए आतंकवादियों का इरादा भारत में आतंक फैलाना और निर्दोष लोगों की हत्या करना है। ओवैसी ने कहा, ''यह एक पीड़ा देने वाली घटना है और यह नरसंहार है।'' एआईएमआईएम घटना के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ी है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती है। उन्होंने कहा कि (कुछ ताकतों द्वारा) कश्मीर में पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर प्रमुख पर्यटन स्थल बैसरन पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करे सरकार: चिदंबरम

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि सरकार को पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करना चाहिए । उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि सरकार देश के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले नए सिरे से सिर उठा रहे आतंकवाद पर दृढ़ प्रतिक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से परामर्श करेगी। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने एक्स पोस्ट किया, यह निर्दोष पर्यटकों के खिलाफ किया गया कायरतापूर्ण कृत्य है। मैं सरकार से अपने आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने का आग्रह करता हूं।

चिदंबरम ने कहा कि सरकार को लोगों और विशेषकर पर्यटकों को आश्वस्त करना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में पहुंचने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

बिहार: नवादा में भीड़ ने पुलिस पर हमला किया, पांच पुलिसकर्मी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवादा/भाषा। बिहार के नवादा जिले में भीड़ के हमले में एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) समेत कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि घटना मंगलवार देर रात को उस समय हुई, जब एएसआई अन्य पुलिसकर्मियों के साथ टिकोडीह गांव में चार लोगों को बचाने गए थे, जिन्हें एक समूह ने बंधक बना लिया था। उप-मंडल पुलिस अधिकारी (नवादा) हुलाश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जब पुलिस दल वहां पहुंचा, तो भीड़ ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए।

ग्रामीणों ने एक पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने चार लोगों को ग्रामीणों के चंगुल से बचाया और घटना के संबंध में मामला भी दर्ज कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मुंबई और सनराइजर्स के मैच में संगीत, चीयरलीडर, आतिशबाजी नहीं , खिलाड़ियों ने बांधी काली पट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति शोक जताने के लिए आईपीएल मैच के दौरान काली पट्टी बांधकर रखी और एक मिनट का मौन भी रखा ।

मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या और सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने हमले की निंदा की जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई है । मैच से पहले भारत का राष्ट्रगान बजा और खिलाड़ी एक मिनट मौन के लिये खड़े रहे । मैच के दौरान चीयरलीडर्स नहीं दिखे और आतिशबाजी भी नहीं हो रही है । गेंदों के बीच में कोई संगीत नहीं बजाया गया लेकिन खचाखच भरे एचसीए स्टेडियम में काफी शोर हो रहा था । साइटस्क्रीन पर लिखा था ,'' शांति और मानवता के लिये सभी साथ खड़े हों (लेट्स आल स्टैंड फोर पीस एंड ह्यूमैनिटी)।''

टॉस के समय हार्दिक ने कहा ,'' मैं आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं । मैं और मेरी टीम इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हैं ।'' कमिंस ने कहा ,'' हमारे लिये भी यह दिल तोड़ने वाली घटना है । पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदना ।'' कमेंटेटरों ने भी खिलाड़ियों के बांह पर काली पट्टी बांधकर खेलने का जिक्र किया । पहलगाम में कल हुए आतंकवादी हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई है। दक्षिण कश्मीर के इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों ने लोगों पर गोलीबारी की जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकी समूह का हिस्सा 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले की दुनिया भर में कड़ी निंदा की गई है। बीसीसीआई ने भी एक बयान जारी कर इस 'भयावह और कायराना' हमले की निंदा की। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, ''कल पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की दुखद मौत से क्रिकेट समुदाय गहरे सदमे में और दुखी है।''

झारखंड व्यापार के लिए पूरी तरह तैयार, निवेश करें निवेशक: सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पेन और स्वीडन के निवेशकों से राज्य में निवेश का आग्रह किया और उसने व्यापार अनुकूल माहौल उपलब्ध करने का वादा किया है। सोरेन इस समय स्पेन और स्वीडन की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस यात्रा के तहत, राज्य सरकार को आरसीडी एस्पेनयोल फुटबॉल क्लब से खेल विकास में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव मिला। इसके अलावा, टेस्ला समूह से झारखंड में वाणिज्यिक और औद्योगिक बैटरी भंडारण उत्पादों से संबंधित एक बड़ा कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव मिला है। बयान के अनुसार, ''मुख्यमंत्री ने टेस्ला ग्रुप ए.एस. (चेकोस्लोवाकिया) के सीईओ और सह-संस्थापक दुसान लिचार्डस के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, लिचार्डस ने झारखंड में वाणिज्यिक और औद्योगिक बैटरी भंडारण उत्पादों की असेंबली एक बड़ा कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।'' बयान में कहा गया कि यह परियोजना रोमानिया के ब्राइला में कंपनी की हाल ही में स्थापित कारखाने के समान होगी, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है। सोरेन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बार्सिलोना में स्टार्टअप मेंटरशिप, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण, आपूर्ति शृंखला, जैव-औषधि, क्रिकेट फ्रैंचाइजी स्वामित्व और चिकित्सा प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय मूल के उद्योगपतियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।

सुविचार

सफलता अंतिम नहीं है, असफलता घातक नहीं है: यह जारी रखने का साहस है जो मायने रखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या हम 'कड़ी निंदा' ही करते रहेंगे?

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर सारी हदें पार कर दी हैं। इस घटना से पूरे देश में गहरा आक्रोश है। हमारे नागरिकों का खून बहाने वाले आतंकवादियों को इसकी सख्त सज़ा मिलनी चाहिए। अब वक्त आ गया है कि ऐसे दरिंदों के साथ उनके आकाओं पर भी वार किया जाए। ये हमारे सब्र को बहुत आजमा चुके हैं। इतने बड़े देश को मुट्ठीभर आतंकवादी चुनौती दे रहे हैं! क्या हम 'कड़ी निंदा' ही करते रहेंगे? आतंकवादियों ने जिस तरह पर्यटकों की धार्मिक पहचान का पता लगाकर अचानक हमला किया, उससे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। क्या ऐसा हमला स्थानीय मदद के बगैर संभव है? आतंकवादियों ने पहले पता लगाया होगा कि इस जगह काफी संख्या में पर्यटक मौजूद हैं, आस-पास सुरक्षा बलों के जवान नहीं हैं, लिहाजा हमला कर ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। बेशक कश्मीर में आतंकवादियों का नेटवर्क मौजूद है, जिसमें शामिल लोग पकड़े जाते रहे हैं। उनमें कुछ सरकारी कर्मचारी थे। ऐसे लोग किसी खूंखार आतंकवादी से कम नहीं हैं। इनका पर्दाफाश किया जाए और ऐसी सज़ा दी जाए कि दूसरों के लिए नज़ीर बने। आतंकवादियों ने इस हमले की साजिश बहुत सोच-समझकर रची थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत आए हैं। आतंकवादियों का मकसद रंग में भंग डालना तो था ही, कश्मीर में बढ़ते पर्यटन को नुकसान पहुंचाना भी था। कुछ दिनों बाद अमरनाथ यात्रा शुरू होने वाली है। आतंकवादी अपनी उसी दहशत को दोबारा कायम करना चाहते हैं, जो हाल के वर्षों में बहुत कमजोर पड़ गई थी।

पहलगाम हमले के बाद देशवासियों की जो भावना है, उससे भारत सरकार अनभिज्ञ नहीं है। हमले के गुनहगारों को सज़ा जरूर मिले, लेकिन हमें गहरे आक्रोश के बावजूद कुछ बातों को लेकर संयम बरतना चाहिए। अभी टीवी चैनलों और यूट्यूब चैनलों पर कई 'रक्षा विशेषज्ञ' मांग कर रहे हैं कि भारत को तुरंत सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक कर देनी चाहिए। उनकी यह मांग गलत नहीं है। आतंक के आकाओं के साथ यह जरूर होना चाहिए, लेकिन याद रखें, सर्जिकल स्ट्राइक या एयरस्ट्राइक कोई मोबाइल गेम नहीं है कि एक बटन दबाया और काम हो गया! ऐसी कार्रवाइयों में हमारे सैनिकों की जान दांव पर लगी होती है। लिहाज़ा कैसी कार्रवाई करनी चाहिए, कब करनी चाहिए, कहां करनी चाहिए - जैसी बातें भारतीय सेना पर छोड़ दें। हां, कार्रवाई जरूर होनी चाहिए, दुष्टों को दंड मिलना चाहिए। इसके समय, स्थान और तरीके के लिए कोई दबाव नहीं बनाना चाहिए। इस हमले के बाद यूट्यूब पर ऐसे वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें लोग बता रहे हैं कि अब भारत इस तरह जवाब दे सकता है! ये वीडियो पाकिस्तानी फौज और आईएसआई के अफसर भी देखते होंगे। जब मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा का हो तो दुश्मन की जानकारी में बढ़ोतरी करना कोई अक्लमंदी का काम नहीं है। यह भी याद रखें कि आतंकवादियों के खिलाफ की गईं एक-दो कार्रवाइयों से आतंकवाद खत्म नहीं होने वाला। इसके लिए देश को लंबी लड़ाई लड़नी होगी। एलओसी पर इतनी कड़ी नजर रखी जाए कि आतंकवादी इसे पार ही न कर पाएं। इसके लिए ड्रोन, कैमरों और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जाए। कश्मीर में सुरक्षा बलों का नेटवर्क मजबूत किया जाए और आतंकवादियों का खात्मा करने में तेजी लाई जाए। जो शख्स उन्हें भारत के खिलाफ मदद और संसाधन मुहैया कराए, उसका 'हृदय-परिवर्तन' करने, मुख्य धारा में लाने की कोशिशें करने के बजाय उसे जेल में डाला जाए। आतंकवाद के नाले का उद्गम स्थल रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू (पाकिस्तानी फौज का मुख्यालय) है। इस नाले को बंद करने के लिए पाकिस्तानी फौज को गहरी चोट पहुंचाना जरूरी है। इसके बगैर आतंकवादी हमले बंद नहीं होंगे। भारत सरकार जो भी संभव हो, वह कार्रवाई करे। देशवासी एकता और सौहार्द को मजबूत रखें। हम यह लड़ाई एकजुट होकर ही जीत सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

भारत में हमेशा से, हमारे संतों ने योद्धाओं को दिशा दी, और योद्धाओं ने समाज को सुरक्षा दी। आप सभी उस परंपरा का ही निर्वहन कर रहे हैं। वैसे तो इस संस्थान का राष्ट्र के आध्यात्मिक विकास में जो योगदान है, उससे पूरा देश परिचित है।

-राजनाथ सिंह

पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं अपने इन सभी परिवारों और पूरे देश को विश्वास दिलाता हूँ कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।

-अमित शाह

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय है। अथाह दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति तथा घायलों को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

कृतज्ञता हेतु नमन

भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का जीवन संघर्ष, सादगी और संस्कारों से परिपूर्ण है। उनके अभिभाषणों में अक्सर उनके बचपन की एक मार्मिक और शिक्षाप्रद घटना का उल्लेख होता है, जो हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का अद्भुत संदेश देती है। वे कहती हैं कि वे एक छोटे से गांव से हैं, जहां उनका बचपन बेहद साधारण और कठिन परिस्थितियों में बीता। उनके घर में खाना लकड़ी जलाकर बनाया जाता था, क्योंकि कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं था। उनके माता-पिता जंगल से सूखी लकड़ियां चुनकर लाते, फिर उन्हें घर लाकर सुखाते और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते। एक दिन उन्होंने गौर किया कि उनके पिता लकड़ी जलाने से पहले सिर झुका कर नमन करते हैं। उन्होंने जिज्ञासावश पूछ लिया, 'पिता जी, आप लकड़ी जलाने से पहले नमन क्यों करते हैं?' पिता जी मुस्कराए और सहज भाव से बोले'बेटी, यह लकड़ी अब सूख चुकी है, बूढ़ी हो चुकी है। लेकिन अपने जीवन में इसने हमें बहुत कुछ दिया है फल, फूल, छाया, हवा और पानी। और अब जब यह बूढ़ी हो चुकी है, तब भी हमारे काम आ रही है। इसलिए मैं इसे जलाने से पहले इससे क्षमा मांगता हूं।'

सामयिक

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई।

हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहार दर्शाता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा?

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में भारत का साथ देने का संकल्प एकबार फिर दोहराया है, इसी तरह रूस भी भारत के साथ है। अनेक देशों ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर तरह से सहयोग का वादा किया है। अब समय आ गया है पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाने एवं उसके विध्वसंक एवं विनाशकारी मनसूंबों को नेस्तनाबूंद करने का।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है, यही पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर होना भी पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बना है, पहलगाव जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान में घूस कर सबक सिखाने का। सर्जिकल अटैक ही पुख्ता जबाव हो सकता है।

आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये पाकिस्तान आतंकी संगठन और आतंक का सहारा ले रही हैं। भारत सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही पाकिस्तान, वहां के आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है।

विशेष

सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

भारत गांवो का देश है। यहां की बहुसंख्यक आबादी आज भी गांवों में रहती है। भारत के गांव ही देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धूरी है। इसीलिए कहा जाता है कि जब तक देश कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तब तक भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। गांव में सुशासन स्थापित करने के लिए ही ग्राम पंचायत की स्थापना की गई थी। हमारे देश के नेताओं को ग्रामीण पृष्ठभूमि का पूरा ज्ञान था। इसलिए उन्होंने गांव के महत्व को समझकर ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की थी। उनको पता था कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा। गांव को मजबूत करने के लिए यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था। आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था। मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है। लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव है जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायती राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायती राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायती राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायती राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है। भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपनी ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकतें है। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायते वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई है। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर है। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं। मगर आज तक भी अपने अधिकारों का ग्राम पंचायतें प्रयोग नहीं कर पाती है। आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती है। उनमें से कई महिलाएं तो वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती है। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती है। मगर अधिकांशतः आरक्षण के कारण गांवो में प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच, सरपंच बनवा देते हैं। फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती है। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पंचायत राज व्यवस्था के मजबूत होने की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सरकार बार-बार परिपत्र जारी कर सरपंच के प्रतिनिधियों को पंचायतों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से मना करती है। मगर धरातल में सरकार के परिपत्र मात्र कागजी बन कर रह जाते हैं।

देश में आज चाहे ग्राम पंचायत हो, पंचायत समिति हो या जिला परिषद हो। जहां भी महिला जनप्रतिनिधि निर्वाचित होकर आती है। उनके स्थान पर उनके परिजन ही कार्य करते देखे जा सकते हैं। सभी प्रदेशों की राज्य सरकारों को कड़ाई से इस पर रोक लगाई जानी चाहिए ताकि महिलाओं को भी अपने पद पर काम करने का मौका मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखने में आता है कि निर्वाचित पंच, सरपंच पंचायतों की बैठक में घूंघट निकाल कर बैठते हैं।

क्योंकि वहां उनके ससुराल वाले बड़े परिजन की बैठे रहते हैं। आज देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपने काम से धूम मचा रही है। अब तो सेना को भी महिलाओं के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का घूंघट निकाल कर बैठना सभ्य समाज के लिए किसी दुखद घटना से कम नहीं है। सरकार को ऐसी घटनाओं पर भी सख्ती बरतनी चाहिये। पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं का जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। सही मायने में पंचायती राज ने महिलाओं को समाज का एक विशेष सदस्य बना दिया है। लाखों महिलाऐं सार्वजनिक जीवन में आयी हैं। लेकिन अधिकतर निर्वाचित महिलाओं को निर्वाचक सदस्य होने के विषय में पूर्ण जानकारी भी नहीं है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वह प्रभावी नहीं हो पाती हैं। तथा उन्हे यह भी ज्ञान नहीं होता है कि वह एक कुशल प्रशासक भी हो सकती हैं।

घूंघट में रहना लोकतंत्र और औरत जाति के लिए एक चुनौती है। समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है लेकिन औरतो के प्रति लोगों की सोच अभी तक नहीं बदली है। राजनीति घूंघट में रह कर नहीं हो सकती। इसके लिए बेबाक होना पड़ता है। जब औरतें किसी कार्यक्रम में मंच पर घूंघट निकाल कर बैठेंगी तो वहां के हालात बड़े अजीबोगरीब हो जाते हैं। औरतों को अपने से कमतर मानने की सोच के चलते ही उन के चेहरे से परदा नहीं हट पा रहा है। लोकतंत्र की सबसे छोटी संसद पंचायती राज में हालांकि महिलाएं 50 फीसदी सीटों पर काबिज हैं। लेकिन इन महिला जनप्रतिनिधियों में से कई पढ़ी-लिखी होने के बाद भी ग्राम पंचायत की मिटिंगों में घूंघट में बैठी रहकर जुबान ही नहीं खोलतीं है। क्या ऐसी स्थिति के लिए ही पंचायत राज को मजबूती देने का निर्णय किया गया था। क्या इक्कीसवीं सदी में प्रवेश करने के बाद भी हमारे देश की महिला जनप्रतिनिधियो को घूंघट की ओट में ही जीने को विवश होना पड़ेगा।

यह एक बड़ा सवाल है जिसे ना सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियो को गंभीरता से लेना पड़ेगा बल्कि राजनेताओ व प्रशासनिक अधिकारियों को भी सरपंच पतियो के बढ़ते हस्तक्षेप पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा। औरतों के सिर से घूंघट हटाने के लिए लड़कियों के मातापिता को आगे आना होगा। उन्हें अपनी बेटियों की शादी उसी परिवार में करनी चाहिए जहां घूंघट का बंधन नहीं हो। घूंघट में रह कर औरतें अपनी जिंदगी के तानेबाने को कैसे बुन सकती हैं? घूंघट में रह कर राजनीति या समाजसेवा नहीं की जा सकती। आज के समय में ग्राम पंचायते पैसे कमाने का जरिया बन गई है। पंचायत चुनाव में बड़ी मात्रा में पैसे खर्च होते हैं। चुनाव जीतने के बाद निर्वाचित सरपंच द्वारा जनसेवा के बजाय पैसे कमाने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। इस कारण निर्वाचित जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत के सामाजिक सरोकार के कामों को भूल कर निर्माण कामों में व्यस्त हो जाते हैं। अपनी पंचायत में अधिक से अधिक निर्माण कार्य स्वीकृत करवाने के लिए सरपंच विधायकों, सांसदों के चक्कर काटते रहते हैं। जिस कारण वह उनके दबाव में काम करते हैं। पंचायती राज व्यवस्था को सही मायने में सशक्त बनाने के लिए सरकार को सभी प्रकार के निर्माण कार्य ग्राम पंचायतों से हटाकर संबंधित विभागों से करवाया जाना चाहिए ताकि सरपंच जनता से जुड़ कर उनकी समस्याओं का सही मायने में समाधान करवा सकें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

संत समाज के सदस्य लखनऊ के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

ओपनएआई के घिबली पर मिली प्रतिक्रिया ने हमें चौंका दिया : धारीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आज तकनीक और एआई के युग में 'घिबली' की चर्चा चारो ओर है, जिसकी मदद से लाखों लोग तस्वीरों को प्यारे से दिखने वाले कार्टून चरित्रों में बदल रहे हैं। लोगों तक घिबली से प्रेरित एआई कला पहुंचाने वाले जीपीटी-4ओ के पीछे प्रफुल्ल धारीवाल का दिमाग है।

धारीवाल (30) ने कहा कि वह वास्तव में भारत से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से हैरान थे।

ओपनएआई के मल्टीमॉडल प्रमुख धारीवाल ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में बताया, ''हमें पता था कि हम कुछ बढ़िया बना रहे हैं, लेकिन इतनी जोरदार प्रतिक्रिया ने हमें पूरी तरह चौंका दिया। खास तौर पर भारत से जोरदार प्रतिक्रिया आई। इस पेशकश के कुछ ही हफ्तों में भारत तस्वीर तैयार करने के लिए दुनिया में हमारा सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार बन गया। वैश्विक स्तर पर, इसका नतीजा ओपनएआई के इतिहास में सबसे बड़ी वृद्धि के रूप में सामने आया।'' पुणे के डॉ. कलमाडी शामराव हाई स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले धारीवाल कहते हैं कि भारत से निकलने वाली रचनात्मकता अविश्वसनीय है। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से 2017 में स्नातक किया। वह 2016 की गर्मियों में एक प्रशिक्षु के रूप में ओपनएआई में शामिल हुए और एक साल बाद पूर्णकालिक कर्मचारी बन गए।

धारीवाल कहते हैं कि उसकी जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि पुणे के स्कूल से लेकर अग्रणी एआई पर काम करने तक का रास्ता दृढ़ता, विनम्रता और स्पष्ट लक्ष्य के साथ हासिल किया जा सकता है।

पिछले साल, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने धारीवाल की प्रशंसा करते हुए कहा था कि जीपीटी-4ओ उनकी दृष्टि, प्रतिभा, दृढ़ विश्वास और दृढ़ संकल्प के बिना साकार नहीं हो सकता था।

पुणे के इस तकनीकी विशेषज्ञ ने कहा कि जीपीटी-4ओ में तस्वीर बनाने की पेशकश ओपनएआई में उनके कार्यकाल के सबसे यादगार अवसरों में एक था। धारीवाल ने कहा कि वह पिछले दिसंबर में अपनी शादी की तैयारियों के लिए भारत में थे और इस दौरान उन्होंने शादी का कार्ड डिजाइन करने के लिए इस मॉडल का इस्तेमाल किया।

श्रद्धांजलि

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने थौबल, मणिपुर में युद्ध स्मारक परिसर में खोंगजोम दिवस के अवसर पर 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इजराइल के विदेश मंत्रालय ने पोप के निधन पर शोक संदेश वाली पोस्ट हटाई

यरुशलम/एपी। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक संदेश वाली पोस्ट हटा ली है। मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट करने और तुरंत इसे हटाने के अपने निर्णय पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पोस्ट में लिखा था, ''पोप फ्रांसिस, आपकी आत्मा को शांति मिले।

उनकी स्मृतियां आशीर्वाद बनी रहें।'' इजराइली मीडिया के अनुसार इस पोस्ट पर कुछ राजदूत, खासतौर पर कैथलिक बहुल देशों में कार्यरत राजनयिक नाराज थे। पोप फ्रांसिस गाजा में इजराइल के युद्ध की आलोचना करते थे और वहां कैथलिक चर्च के बेहद करीब थे, लेकिन उन्होंने हमास से बंधकों को रिहा करने का आह्वान भी किया था और यहूदी विरोधी भावना में वृद्धि की निंदा की थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पोप के निधन पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति ने किया ताजमहल का दीदार, कहा- यह अद्भुत है

आगरा (उप्र)/भाषा। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने बुधवार को सपरिवार आगरा पहुंचकर ताजमहल का दीदार किया। जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने, अपनी पत्नी ऊषा और बच्चों के साथ आगरा पहुंचे वेंस की खेरिया हवाई अड्डे पर अगवानी की। उन्होंने बताया कि उसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति कार से ताजमहल परिसर पहुंचे और मोहब्बत की मिसाल मानी जाने वाली इस विश्व धरोहर का दीदार किया। वेंस ने ताजमहल का भ्रमण करने के बाद आगंतुक डायरी में लिखा, ताजमहल अद्भुत है। यह सच्चे प्रेम, मानवीय प्रतिभा का प्रमाण है और भारत जैसे महान देश की एक लाजवाब कृति है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अमेरिकी उपराष्ट्रपति श्री जे. डी. वेंस और उनके परिवार का उत्तर प्रदेश में हार्दिक स्वागत है। यह भारत का पवित्र हृदय स्थल है और अपनी शाश्वत भक्ति, जीवंत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है।

सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति का काफिला जिन मार्गों से गुजरा, उन्हें सजाया गया। सड़क के दोनों और बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अमेरिका और भारत का झंडा लेकर वेंस का स्वागत किया।

वेंस के साथ उनकी पत्नी ऊषा और उनके बेटे इवान और विवेक और बेटी मीराबेल भी हैं। परिवार चार दिवसीय भारत यात्रा पर है।

हवाई अड्डे पर वेंस को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ बातचीत करते देखा गया जिन्होंने मेहमानों का फूलों से स्वागत किया।

बॉलीवुड में बढ़ रहा लव ट्रायंगल फिल्मों का चलन

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई । बॉलीवुड में एक्शन, ड्रामा, रोमांस, थ्रिलर और हॉरर फिल्मों की भरमार है, लेकिन लव ट्रायंगल की कहानी वाली फिल्में दर्शकों की हमेशा से पसंदीदा रही हैं। यही वजह है कि इसका चलन अब बढ़ता जा रहा है। हाल ही में 'मेरे हसबैंड की बीवी' की कहानी भी कुछ ऐसे ही है। मेकर्स कहानी में ट्विस्ट लाने के लिए दो प्यार करने वालों के बीच किसी तीसरे को ला देते हैं, जिसके चलते फिल्में बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई करती हैं। चलिए आज हम कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में बताते हैं- मेरे हसबैंड की बीवी- सबसे पहले बात करते हैं फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' की, यह इसी साल फरवरी में रिलीज हुई। कहानी में लव ट्रायंगल को जोड़ा गया। फिल्म में एक्टर अर्जुन कपूर, अपनी पहली पत्नी भूमि पेडनेकर से तलाक ले चुके हैं और रकुल प्रीत सिंह के प्यार में डूबे हुए हैं, लेकिन मजेदार ट्विस्ट तब सामने आता है, जब भूमि की पिछले कुछ सालों की याददाश्त चली जाती है। भूमि भूल जाती है कि उसका अर्जुन से तलाक हो चुका है। जिसके चलते अर्जुन दोनों एक्सेस के बीच फंसा हुआ महसूस करता है और इसका समाधान ढूंढता है। इस फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया।

बाजीराव मस्तानी- 'बाजीराव मस्तानी' में भी तीन लोगों के बीच उलझी प्रेम कहानी को दिखाया गया। इसमें बाजीराव, मस्तानी और काशीबाई के किरदार में रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। फिल्म में मराठा साम्राज्य के योद्धा बाजीराव की शादी काशीबाई से होती है, लेकिन उन्हें प्यार राजा छत्रसाल की राजकुमारी मस्तानी से हो जाता है। फिल्म में दोनों अपने प्यार को हासिल करने के लिए संघर्ष करते नजर आते हैं।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर- 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, इसमें डायरेक्टर करण जौहर ने लव ट्रायंगल का तड़का लगाया है। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन ने अभिमन्यु और रोहन का किरदार निभाया है। दोनों बेहद अच्छे दोस्त होते हैं, लेकिन उनकी दोस्ती में दरार तब पड़ जाती है, जब अभिमन्यु को रोहन की गर्लफ्रेंड शनाया से प्यार हो जाता है। फिल्म में शनाया की भूमिका आलिया भट्ट ने निभाई हैं। फिल्म लव ट्रायंगल के चलते हिट रही।

कुछ कुछ होता है - करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म 'कुछ कुछ होता है' आज भी लोगों की पसंदीदा मूवी है। इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, रानी मुखर्जी और काजोल समेत कई कलाकार हैं। फिल्म में शाहरुख राहुल के किरदार में, रानी टीना के किरदार में और काजोल अंजलि के किरदार में नजर आईं। कहानी की शुरुआत में राहुल और अंजलि दोनों बेस्ट फ्रेंड्स होते हैं, लेकिन अंजलि राहुल से प्यार कर बैठती है, वहीं राहुल टीना को दिल दे बैठता है। जब इस बात का पता अंजलि को चलता है तो वह राहुल से दूर जाने का फैसला लेती है।

कॉकटेल- 'कॉकटेल' भी लव ट्रायंगल बेस्ड मूवी है। फिल्म में सैफ ने गौतम का रोल अदा किया है, वहीं दीपिका पादुकोण ने वेरोनिका और डायना पेंटी ने मीरा की भूमिका निभाई है। कहानी की शुरुआत में गौतम और वेरोनिका रिलेशनशिप में होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे गौतम को उसकी दोस्त मीरा से प्यार हो जाता है। यहां से रिश्तों में खटास आनी शुरू हो जाती है। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।

अपूर्वा अरोड़ा ने इंदौर में फिल्म की शूटिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग इंदौर में शूटिंग शुरू कर दी है। 15 दिनों के शेड्यूल की शुरुआत रात की शूटिंग से हुई है। घंटों की मेहनत के बावजूद, अपूर्वा ने शूटिंग खत्म होने के बाद जिम में समय बिताया, जिससे फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। इस प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादातर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों से पता चला है कि इंडस्ट्री के कई नामचीन नाम इस फिल्म से जुड़े हैं, जिससे लोगों में उत्सुकता बढ़ गई है। इस बीच, अपूर्वा अपनी आगामी शॉर्ट फिल्म मारी में भी नज़र आएंगी, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है।

'डॉन 3' में कृति सेनन की हुई एंट्री!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर, रणवीर सिंह को लेकर डॉन 3 बनाने जा रहे हैं। पहले डॉन 3 में कियारा आडवाणी काम करने वाली थी। कियारा के बाद डॉन 3 में शरवरी वाघ के काम करने की चर्चा थी। अब कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन हुई एंट्री हो गयी है। डॉन 3 की शूटिंग अबतक शुरू नहीं हुई है। रणवीर सिंह जल्द से जल्द अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग खत्म कर दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ना चाहते हैं। रणवीर ने फिल्म 'धुरंधर' का काम लगभग पूरा कर लिया है। इसके बाद वो अगले प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' के लिए लोकेशन की तलाश भी कर ली है। 'डॉन 3' को बड़े लेवल पर यूरोप में शूट किया जाएगा। साथ ही लोकेशन पहले ही तय हो चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्क्रिप्ट भी तैयार हो चुकी है। टीम का प्लान है कि अक्टूबर या नवंबर 2025 तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो सके।

अमित राय की कहानियों में गहराई, ईमानदारी और मकसद होता है : पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने कहा कि लेखक-निर्देशक अमित राय की कहानियों में गहराई, ईमानदारी और मकसद होता है,जिससे वह खुद को जुड़ा हुआ पाते हैं। फिल्म ओएमजी 2 की आलोचनात्मक और व्यावसायिक सफलता के बाद, मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी और लेखक-निर्देशक अमित राय एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। फिल्म की शूटिंग 35 दिनों तक चलेगी और इसमें बिहार की संस्कृति, भावनाओं और कहानियों को पहले कभी न देखे गए अंदाज़ में दिखाया जाएगा। पंकज त्रिपाठी के साथ इस फिल्म में पवन मल्होत्रा, गीता अग्रवाल, राजेश कुमार और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-माने कलाकार भी नजर आएंगे। इससे यह फिल्म राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रतिभाओं का सुंदर मेल बन गई है।

निर्देशक अमित राय के साथ दोबारा काम करने पर पंकज त्रिपाठी ने कहा, ओएमजी2 मेरे लिए बहुत खास फिल्म थी। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह मेरी पहली सोलो 180 करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी, बल्कि इसलिए भी कि इसने लोगों से एक भावनात्मक और इंसानी स्तर पर जुड़ाव बनाया। अमित के साथ फिर से काम करना मेरे लिए एक स्वाभाविक अगला कदम है। उनकी कहानियों में गहराई, ईमानदारी और मकसद होता है, जिससे मैं खुद को जुड़ा हुआ पाता हूं। ये कहानी बिहार की मिट्टी से जुड़ी है। जहां से मैं हूं, मेरी पहचान है। एक अभिनेता के तौर पर इससे बेहतर क्या हो सकता है कि मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनूं जो मनोरंजन के साथ-साथ समाज के लिए भी मायने रखती हो। निर्देशक अमित राय ने भी इस प्रोजेक्ट को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा, पंकज त्रिपाठी के साथ फिर से काम करना ऐसा है जैसे सच्चाई और अभिनय के संगम वाली रचनात्मक दुनिया में लौटना। यह फिल्म मानवीय रिश्तों, जज़्बे और उस सामाजिक ताने-बाने की गहराई से पड़ताल करती है जो हमें जोड़ता है। बिहार फिल्म निगम का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण रहा है। हमारा लक्ष्य एक असरदार कहानी सुनाने के साथ-साथ लोकल टैलेंट, लोकेशनों और ज़िंदगी को सेलिब्रेट करना भी है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह जी गई ज़िंदगियों और सीखे गए सबकों का आईना है।

पहलगाम आतंकी हमले पर फूटा सलमान खान का गुस्सा, बोले- 'एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर'

मुंबई/एजेन्सी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की हर कोई निंदा कर रहा है। बॉलीवुड हस्तियों के भी इस घटना पर रिएक्शन सामने आ रहे हैं। इस कड़ी में सलमान खान ने भी हमले पर गुस्सा जाहिर किया और कहा कि एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है। सलमान खान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है, लेकिन अब यह नर्क में बदलता जा रहा है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार वालों के साथ हैं। एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है। सलमान से पहले शाहरुख खान ने भी हमले की निंदा की थी और पोस्ट में लिखा था- पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल भगवान से पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें।

वहीं प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- पहलगाम में जो हुआ वह निंदनीय है। लोग वहां छुट्टियां मनाने, हनीमून मनाने, अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने आए थे। वे बस कश्मीर की खूबसूरती का लुत्फ उठा रहे थे। कई मासूम लोगों की जान उस तूफान में फंस गई, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया। यह ऐसी घटना नहीं है, जिसे हम भूलकर आगे बढ़ सकें। यह हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जो इस हादसे से प्रभावित हुए हैं।

एक्टर आशीष विद्यार्थी ने कहा कि वह इस घटना से शॉक्ड हैं। उन्होंने लिखा, शॉक्ड हूं... पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति संवेदना, हिम्मत और मानवता में विश्वास बनाए रखें। रणदीप हुड्डा ने लिखा, पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवार के साथ हैं। हमें इस तरह के आतंकवादी हमलों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। प्रभावित सभी लोगों को ईश्वर ताकत दें, उनके लिए प्रार्थनाएं। न्याय शीघ्र होना चाहिए, हमारे लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

शाह बानो केस के 40 साल, अब दिखेगी बड़े पर्दे पर

मुंबई/एजेन्सी

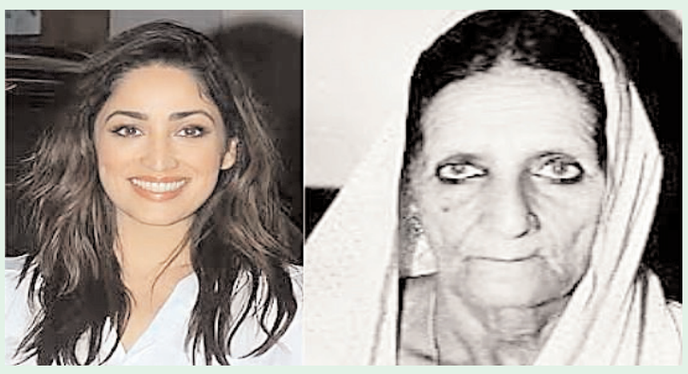

इस साल 1985 के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम को 40 साल पूरे हो रहे हैं। यह फैसला भारत के सबसे चर्चित और विवादित फैसलों में से एक रहा है। यूनिफॉर्म सिविल कोड। वक्फ बोर्ड। तीन तलाक। शाह बानो। ये सिर्फ सुर्खियाँ नहीं हैं ये उन गूंजों की याद दिलाते हैं जो भारत के सबसे तीखे न्यायिक मुकदमों में से एक से निकलीं। एक ऐसा मामला जिसने जनमत को बांट दिया, देश की धर्मनिरपेक्षता की कसौटी ली और बराबरी बनाम पहचान की बहस को नई चिंगारी दी। एक बहस जो आज भी जारी है। और अब, 40 साल बाद, ये कहानी लौट रही है, इस बार, बड़े पर्दे पर। खबरों के मुताबिक, शाह बानो केस और इसी जैसे अन्य मामलों से प्रेरित एक दमदार फीचर फिल्म पर काम चल रहा है, जिसका निर्देशन सुपर्ण वर्मा कर रहे हैं। यामी गौतम और इमरान हाशमी इस फिल्म के मुख्य कलाकार हैं। सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग हाल ही में लखनऊ में पूरी हुई है। यह फिल्म यामी की आर्टिकल 370 के बाद अगली बड़ी सिनेमाई रिलीज़ मानी जा रही है, जो उन कानूनी लड़ाइयों की इंसानी कीमत को सामने लाएगी जो राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बन जाती हैं।

1978 में, 62 वर्षीय शाह बानो पांच बच्चों की माँ ने अपने वकील पति मोहम्मद अहमद खान द्वारा तीन तलाक दिए जाने के बाद, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत सुप्रीम कोर्ट में गुज़ारा भत्ते की याचिका दायर की। उनके पति ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर तीन महीने के बाद किसी भी तरह का गुज़ारा भत्ता देने से इनकार कर दिया। सात साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि धारा 125 सभी नागरिकों पर लागू होती है और तलाकशुदा महिलाओं को, चाहे वे किसी भी धर्म की हों, गुज़ारा भत्ता पाने का अधिकार है यह फैसला लैंगिक न्याय और संवैधानिक समानता की दिशा में एक मील का पत्थर था। लेकिन इस फैसले के बाद कट्टरपंथी समूहों की तीखी प्रतिक्रिया हुई, और राजीव गांधी सरकार ने 1986 में मुस्लिम महिला (विवाह विच्छेद पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम पास किया, जिसने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को काफी हद तक निष्प्रभावी कर दिया। इस प्रकरण ने वोट बैंक की राजनीति, समान नागरिक संहिता और धर्मनिरपेक्षता पर फिर से बहस को जन्म दिया बहस जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जैसे नेता आज भी शाह बानो मामले को यूनिफॉर्म सिविल कोड और कानूनी सुधारों की बहस का निर्णायक मोड़ मानते हैं। कभी शाह बानो की आवाज सुप्रीम कोर्ट की दीवारों में गूंजी थी। आज, चार दशक बाद, वो आवाज़ लौट रही है और भी बुलंद, और भी साहसी इस बार सिनेमा के माध्यम से।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 24-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

रावत राजपूत समाज की नई कार्यकारिणी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रावत राजपूत समाज चेन्नई तमिलनाडु ट्रस्ट की साधारण सभा का आयोजन माधावरम स्थित माँ आशापुरा मंदिर प्रांगण में किया गया। सभा में ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। संस्था के सदस्यों ने अपने कर्तव्यों का विर्वहन करते हुए संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न किया। सदस्यों की सर्वसहमति से अध्यक्ष पद के लिए हजारी सिंह धमावत, सचिव पद पर नारायण सिंह गिरि, उपाध्यक्ष पद पर मदनसिंह पंवार, कोषाध्यक्ष जालम सिंह धामावत को चुना गया।

इसके अलावा संयुक्त मंत्री गोरधन सिंह रास, सह–मंत्री हेमसिंह देवावत, व्यवस्थापक मंत्री सोहन सिंह, प्रचार मंत्री कैलाश सिंह, ऑडिटर कालूसिंह, नवयुवक मंडल अध्यक्ष रणजीत सिंह, उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह, मंत्री सतुसिंह को चुना गया। निर्वाचित पदाधिकारियों को माल्यार्पण और साफा बांधकर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष हेमसिंह मालावत, पूर्व उपाध्यक्ष पुनम सिंह पातवाल आदि उपस्थित रहे।

मुनि मोहजीत कुमार और मुनि दीपकुमार का आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य महाश्रमण के शिष्य मुनिश्री मोहजीत कुमार और मुनिश्री दीपकुमार का तेरापंथ भवन साहूकार पेट में आध्यात्मिक मिलन श्रावक समाज के लिए प्रेरणा का क्षण था। आध्यात्मिक मिलन समारोह में मुनि दीप कुमारजी ने मुनियों का भावपूर्ण स्वागत करते हुए कहा कि एक दशक के बाद मुनिश्री का मिलन का यह आनन्दायक है। मुनि ने मुनियों के साथ बिताए अतीत के क्षणों को प्रसन्नता से प्रकट किया उन्होंने कहा यह मिलन मन और भावों का मिलन है

मुनि भव्य कुमार ने कहा कि संयमी से संयमी का मिलन अध्यात्म की ऊंचाईयों को प्रकट करता है। मुनि जयेश कुमार ने कहा मुनिजनों का मिलन आत्मा की पवित्रता के साथ जुड़ा हुआ मिलन है, पवित्रता के साथ व्यक्ति में प्रकट हो साथ जुड़ा हुआ मिलन है पवित्रता के भाव व्यक्ति में प्रकट हो, जो युग की महान अपेक्षा के साथ जुड़ा होना चाहिए। मुनिश्री मोहजीत कुमारजी ने मिलन सदा सुखकारी गीत का संगान करते हुए कहा कि आज तेरापंथ धर्म शासन समुद्र की दो लहरों का सात्विक मिलन है जो आध्यात्मिक आनंद को प्रकट करता है। कहा भी गया है सन्त मिलन गंगा की धारा तरह है इस धारा में बहने वालों को पावन बनाता है। मिलन समारोह में तेरापंथ सभा की ओर से विमल चिपड और महेंद्र मांडोत ने विचार प्रकट किए। तेरापंथ महिला मंडल ने मंगलाचरण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया कार्यक्रम का संचालन मुनि काव्य कुमारजी ने किया।

नेत्र अनुसंधान केंद्र को 12 लाख की धनराशि दान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जेम हालीडे रिजॉर्ट्स लिमिटेड (जेम ग्रुप ऑफ कंपनी चेन्नई) ने नेत्र अनुसंधान केंद्र को दृष्टि पुनर्स्थापना हेतु अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए बारह लाख से अधिक की धनराशि वंचित एवं गरीब व्यक्तियों के लिए नेत्र देखभाल सुविधा सुनिश्चित करने हेतु दान दिया है। इस अवसर पर आई रिसर्च सेंटर की निदेशक आथिया अग्रवाल ने कहा कि हमारा मिशन आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की दृष्टि को बहाल करना तथा उनके जीवन को बेहतर बनाना है। हम अपने उद्देश्य का समर्थन करने के लिए जेम हालीडे रिजॉर्ट्स लिमिटेड को धन्यवाद देते हैं और इस सहयोग को एक सार्थक साझेदारी की शुरुआत मानते हैं हम इस फंड से पिछड़े, गरीब समुदायों के लोगों की दृष्टि बहाल करने में मदद करेंगे।

जेम हालीडे रिजॉर्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एस आर ऐसैथंबी ने इस अवसर पर कहा कि उनका मानना है कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी तब और सार्थक होती है जब हम गरीब जरूरतमंद समुदायों का उत्थान करते हैं और उनके जीवन को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि आई रिसर्च सेंटर के साथ हमारा सहयोग उन्नत नेत्र देखभाल और अनुसंधान के माध्यम से जीवन को बदलने की दिशा में हमारी एक सार्थक पहल है उन्होंने उम्मीद जताई कि इस फंड से जरूरतमंदों को दृष्टि का उपहार अवश्य मिलेगा।

तीर्थों की पवित्रता के साथ-साथ सुरक्षा अति आवश्यक : आचार्यश्री अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में अपने प्रवचन के दौरान आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि श्रावक के लिए प्रति वर्ष कम से कम एक बार तीर्थयात्रा करने की बात शास्त्रों में बताई गई है जो आत्मिक विकास की साधना में पूरक और सहायक साबित होती है। किसी भी क्रिया का प्राण भाव होता है और भावों को जागृत करने में अनुकूल द्रव्य, क्षेत्र और काल का सीधा संबंध है जो साधक के भावों को प्रभावित करते हैं। इनमें तीर्थकरों की साधना से पवित्र बने तीर्थ क्षेत्र यानी कल्याणक भूमि भी शामिल है।

तीर्थों के पवित्र वातावरण की सुरक्षा हेतु दर्शाई गई आचार संहिता का पालन प्रत्येक यात्री का कर्तव्य है क्योंकि तीर्थस्थल पूजा–उपासना के धाम है न कि घूमने फिरने के पर्यटन स्थल। प्रथम तीर्थकर श्री ऋषभदेव की निर्वाण भूमि यानी अष्टापद तीर्थ की सुरक्षा हेतु उनके पुत्र भरत चक्रवर्ती ने वहां यंत्रमानवों की स्थापना की थी। रावण की प्रभुभक्ति, गौतमस्वामी की यात्रा, भरत महाराजा द्वारा जिनालय निर्माण आदि अनेक घटनाओं से अष्टापद तीर्थ जुड़ा हुआ है।

इससे पूर्व अष्टापद तीर्थ से जुड़ी घटनाओं के विवेचन के माध्यम से आचार्यश्री ने अष्टापद तीर्थ के विशाल चित्रपट के समक्ष भावयात्रा करवाई। मंजूदेवी सुभाष पगारिया के वर्षीतप के उपलक्ष्य में पांचीबाई जबरचंद पगारिया परिवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन निष्क्रित कंकुलोल और अमन सोमावत ने किया। कल्याण मित्र परिवार ने व्यवस्था संभाली। प्रसन्न पगारिया ने आभार व्यक्त किया।

पहलगाम आतंकी हमला एक बड़ी सुरक्षा और खुफिया विफलता : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला एक बड़ी सुरक्षा और खुफिया विफलता थी। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इनमें अधिकतर पर्यटक थे। परमेश्वर ने मांग की कि केंद्र को इस घटना के पीछे के आतंकवादी संगठनों का पता लगाना चाहिए और उनका खात्मा करना चाहिए।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे (आतंकी हमले को लेकर) सबसे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर हुआ कि हमारे देश में सैन्य खुफिया नेटवर्क बहुत मजबूत है। उन्होंने कई मौकों पर बहुत अच्छा काम किया है। यहां अहम सवाल यह है कि खुफिया विफलता क्यों हुई और आतंकवादी वहां कैसे और कहां से पहुंचे। उन्होंने कहा कि केंद्र को इस मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। मंत्री ने कहा कि 2019 में पुलवामा आतंकी हमले में 47 जवानों के शहीद होने के बाद इस पैमाने पर कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ था। परमेश्वर ने कहा, इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि केवल हिंदुओं को ही निशाना बनाया गया।

मंत्री ने कहा कि जिस आतंकी संगठन ने इसमें संलिप्त होने का दावा किया है, उसका पता लगाकर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या यह सुरक्षा विफलता भी थी, परमेश्वर ने कहा कि खुफिया विफलता के कारण ही सुरक्षा चूक हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवादी सैन्य खुफिया एजेंसियों की नजरों से बच गए।

विरोध प्रदर्शन

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, अन्य पार्टी नेताओं के साथ बुधवार को हैदराबाद के टैंक बंड में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

साध्वी आगमश्री एवं धैर्यश्री का आगामी चातुर्मास विल्सन गार्डन संघ में घोषित

अलसूर में होगा साध्वीश्री का वर्षीतप का पारणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हलसूर स्थित महावीर भवन में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन की ओर से संघ चेयरमैन मीठालाल मकाना ने महासती आगमश्रीजी एवं धैर्यश्रीजी से वर्ष 2025 के लिए विल्सन गार्डन में चातुर्मास करने का निवेदन किया। संघ के निवेदन को स्वीकार कर आगमश्रीजी ने चातुर्मास स्थल की घोषणा की। उन्होंने बेंगलूरु महासंघ एवं जैन कॉंफ्रेंस के प्रयासों की प्रशंसा की। चातुर्मास की घोषणा होते हुए विल्सन गार्डन क्षेत्र में खुशी का माहौल छा गया। इससे पूर्व अपने प्रवचन में आगमश्रीजी ने कहा कि हम मानव से इंसान बनें और भगवान बनने का मार्ग प्रशस्त करें। हम अच्छा बनें, अच्छा करें और अच्छाई बांटें। हमारा व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए कि हमें लोग पसंद करें। हम स्वयं को थोपें नहीं, बल्कि लोग स्वयं हमें चाहें। सभा का संचालन करते हुए अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने पुलवामा में हुई आंतकी घटना की निंदा करते हुए घटना में मारे गए असहाय निर्दोष जनों के लिए सद्गति की कामना की। उन्होंने साध्वीद्वय का परिचय देते हुए साध्वी आगमश्रीजी के आगामी वर्षीतप पारणा का लाभ अलसूर संघ को देने का निवेदन किया और अलसूर संघ में साध्वीश्री के पारणे के आयोजन की घोषणा की गई। साध्वी धैर्यश्रीजी एवं सुरेशचंद बांठिया ने गीतिका प्रस्तुत की। स्थानकवासी जैन महासंघ के अध्यक्ष डा. भीकमचंद सकलेचा एवं जैन कॉंफ्रेंस के महामंत्री नेमीचंद दलाल ने विचार व्यक्त किए।सभा में विल्सन गार्डन महिला मंडल, बहुमंडल, युवा संगठन के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में विभिन्न संघ के सदस्य उपस्थित थे। अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

मनुष्य भव सभी को दीक्षा लेने के लिए ही मिला है : संतश्री पद्मचन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रजी, महासती शशिप्रभाजी व जैन समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिजी के सान्निध्य में पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम में गतिमान दस दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर में अपने प्रवचन में डॉ. पदमचंद्रजी ने कहा कि मनुष्य भव सभी को दीक्षा लेने के लिए ही मिला है लेकिन जब तक न लें तब तक आगार धर्म का पालन करें।

यदि किसी को समुद्र में बड़े स्टीमर तक पहुंचना है तो पहले छोटी नाव का सफर तय करना पड़ेगा। छोटी नाव की यात्रा खतरों से भरी है पर सुरक्षित है और बड़े स्टीमर की यात्रा सुरक्षित किनारे तक ले जाती है। छोटी नाव यानी आगार धर्म, बड़ा स्टीमर यानी अणगार धर्म। ऐसे ही आगार धर्म की विवेचना करते हुए मुनिश्री ने कहा कि हे जीव तू जन्मा है अजन्मा बनने के लिए। ब्रह्मचर्य व्रत की आराधना सम्पूर्ण जीवन भी की जाती है और कुछ मर्यादित जीवन भी जीया जाता है । सर्वश्रेष्ठ हैं वो जीव जो बालवय में दीक्षा लेते हैं जैसे हमारे आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी, जिन्होंने मात्र 11 वर्ष की अल्प उम्र में दीक्षा ग्रहण की। दूसरे नंबर पर वे श्रेष्ठ जीव होते हैं जो यौवनवय में दीक्षा लेते हैं और तीसरे प्रौढ़ावस्था में दीक्षा लेने वाले भी धन्य होते हैं । बड़ी नाव में बैठे बिना समुद्र के पार नहीं पहुंचा जाता इसलिए संयम का ये बड़ा स्टीमर हमें भव पर ले जाता है। वर्तमान भौतिकता की चकाचौंध में अपने शील को सुरक्षित रखना बहुत कठिन है लेकिन असम्भव नहीं । 32 दांतों के बीच जैसे जीभ को सुरक्षित रखा जाता है वैसे ही हमें हमारे शील के गुण को सुरक्षित रखना है। हर मनुष्य के जीवन का लक्ष्य मोक्ष में जाना होता है। इसके अतिरिक्त श्रावक श्राविकाओं ने भी चौथे व्रत के प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

प्रवचन के पश्चात चार गति की प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेता शिविरार्थियों को प्रदान किए गए। श्री जयधुरंधरमुनिजी ने मांगलिक प्रदान किया एवं कई शिविरार्थियों ने उपवास, एकासन, आयंबिल, बेला आदि के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन बसवनगुड़ी ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की। जैन समणी सुयशनिधिजी ने संचालन किया ।

चार दिनों तक चेन्नई में भ्रमण करेगी महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेनजी की पावन नगरी अग्रोहा (पितृ भूमि) से अखंड ज्योत के साथ माँ कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा 26 से 29 अप्रैल तक चेन्नई में जन जन के कल्याण, सुख–शांति–समृद्धि एवं सामाजिक भाईचारे व सद्भावना का दिव्य संदेश लेकर भ्रमण करेगी। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया है कि यह पावन रथ यात्रा विशाखापत्तनम से आरम्भ होकर आंध्र प्रदेश, हैदराबाद, तिरुपति और गुम्मिडीपुंडी सिप्कोट से होते हुए 26 अप्रैल को अन्ना नगर, शांति कॉलोनी स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन पहुँचेगी कार्यक्रम के दूसरे दिन 27 अप्रैल को श्री अग्रवाल सभा चेन्नई व श्री अग्रवाल समाज मद्रास के संयुक्त तत्वावधान में सायं 4 से शुरु होकर अग्रवाल विद्यालय, वेपेरी में भव्य स्वागत समारोह होगा। 28 एवं 29 अप्रैल को रथ यात्रा नगर भ्रमण करेगी। 30 अप्रैल को रथ यात्रा पांडिचेरी के लिए प्रस्थान करेगी।

इस रथ यात्रा में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। यात्रा के साथ चल रहे राष्ट्रीय मंत्री व रथ यात्रा संयोजक चांदमल अग्रवाल भी उपस्थिति रहेंगे चेन्नई में रथ यात्रा के सफल आयोजन व भ्रमण में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश सांघी, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गोयल, महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता, अग्रवाल समाज (मद्रास) के अध्यक्ष मुरारी लाल सोंथालिया, महामंत्री हरीश लोहिया, अग्रवाल सम्मेलन तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष इन्द्रराज बंसल, उपाध्यक्ष अशोक केडिया, उपाध्यक्ष सीताराम गोयल, महामंत्री कमलेश गुप्ता, मंत्री योगेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, प्रदेश महिला अध्यक्षा कल्पना भालोटिया आदि अन्य सभी पदाधिकारी, सदस्यगण कार्यक्रम की तैयारियों में लगे है।

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥
॥ अनंत लब्धि निधान श्री गौतमस्वामीने नमः ॥

ADINATH® (Since 1979)
JAIN TRUST
Choolai, Chennai

का एक नया जैन समाजोपयोगी उपक्रम

MEDICAL DISCOUNT CARD

तमिलनाडु की मुख्यतम सर्व बड़ी 40 हॉस्पिटल एवं उनकी उप शाखाएँ, विविध डायगनोसिस सेन्टर ऐसे लगभग 250 से ज्यादा चिकित्सा केन्द्र में

15% से 50% तक Discount (छूट) प्राप्त करने के लिए कार्ड प्राप्त करें।

2 वर्ष के लिए कार्ड शुल्क ₹600/- जिसमें परिवार के 6 सदस्य कवर होंगे।

✦ Digital & Physical Card Available
✦ For Online Registration Download ADINATH JAIN TRUST App. from Play Store

हमारे ट्रस्ट के द्वारा ADINATH JAIN TRUST के नाम से यह एप्लीकेशन तैयार की गई है, इसे डाउनलोड करने का लिंक नीचे दिया गया है, इस एप्लीकेशन में आपको तमिलनाडु की मुख्यतः सर्व हॉस्पिटल की सूचि क्षेत्रानुसार, डिस्काउंट राशि के साथ दृष्टिगत होगी, आपकी सुविधानुसार कार्ड बताकर आप यह लाभ ले सकते हैं।

विशिष्ठ सुविधा : प्रति माह प्रमुख हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क केम्प व Highly Qualified निःस्वार्थ डॉक्टर पेनल द्वारा मार्गदर्शन

For more Information :
ADINATH JAIN SEVA KENDRA
1, Kandappa St., Choolai, Chennai - 600112. T : 4204 3001
Email : trustadinath@gmail.com web : adinathjaintrust.org

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.